दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

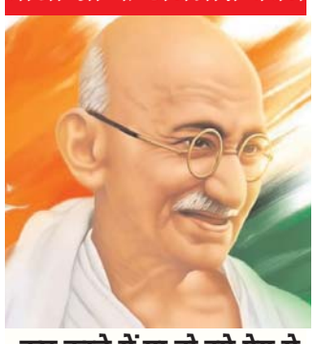
क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-240 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 04 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

गांधी जी के अनमोल वचन



कुछ करने में या तो उसे प्रेम से करें या उसे कभी करें ही नहीं।

‘प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार’, सुप्रीम कोर्ट बोला रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

नई दिल्ली(आरएनएस)। सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक धरना-प्रदर्शन करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट कहा कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा करके प्रदर्शन नहीं कर सकता। यहां तक कि जिन स्थानों को विशेष रूप से धरना-प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है, वहां भी समय की सीमा तय होनी चाहिए, ताकि अन्य संगठनों और लोगों को अपनी आवाज उठाने का अवसर मिल सके।मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्ठड्ड) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि किसी एक संगठन को हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे

अदालत दिल्ली में अक्टूबर महीने के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में पुलिस की कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने, निगरानी व्यवस्था, प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।



CJI बोले- किसान, मजदूर और पत्रकार कहां जाएंगे?

सुनवाई के दौरान ष्टछ्ठड्ड सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक स्थान पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक संगठन लगातार उसी जगह प्रदर्शन करता रहेगा तो किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी अपनी बात रखने के लिए कहां जाएंगे ?अदालत ने कहा कि सभी संगठनों और नागरिकों को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसलिए प्रदर्शन स्थलों पर भी एक निश्चित समय-सीमा होनी चाहिए, जिससे सभी को समान अवसर मिल सके।

व्यापारियों ने बताया 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने प्रदर्शनों के कारण कारोबार प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने अदालत को बताया कि त्योहारों के महत्वपूर्ण सीजन में कई दुकानें बंद रहीं और बाजारों में बिक्री पर बुरा असर पड़ा।

रोहतगी ने दावा किया कि प्रदर्शन के कारण व्यापारियों को लगभग 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कारोबार प्रभावित होने से दुकानदारों के साथ-साथ उनसे जुड़े कर्मचारियों और अन्य लोगों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।व्यापारिक संगठनों ने अदालत से मांग की कि अगले दो महीनों तक दिल्ली में किसी भी तरह के धरने और प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए।एक दिन की अनुमति, लेकिन 17 दिन तक चला प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रदर्शन की अनुमति और उसकी अवधि को लेकर अदालत के सामने अपना पक्ष रखा।



आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में चक्रवात %मुरसु% के आने के बाद, आंध्र प्रदेश रा%य आपदा प्रतिक्रिया बल के कर्मियों ने बापटला-मुथैयापालेम सड़क से उखड़े हुए पेड़ों को हटाकर वाहनों की आवाजाही बहाल की।

श्रीनगर में ईडी की कार्रवाई, आतंकी फंडिंग केस में चार ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आतंकी फंडिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के श्रीनगर जोनल ऑफिस ने श्रीनगर में चार ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है।यह मामला उमर आदिल डार और उसके साथियों से जुड़े आतंकी फंडिंग केस से संबंधित है। जांच में आरोप है कि उमर आदिल डार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहा था और संगठन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था।आरोप है कि उमर आदिल डार को पहले अपने साथियों के साथ भारी मात्रा में नकदी और प्रतिबंधित संगठन से संबंधित आपत्तिजनक साहित्य ले जाते हुए पकड़ा गया था।

शराब माफिया के विरुद्ध निडरता के साथ प्रभावी कार्रवाई करें पुलिस : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य सरकार बलिदानी पुलिसकर्मियों के योगदान और साहस को सदैव रखेगी याद

भोपाल(आरएनएस)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हुए रील बनाने से अधिक रियल प्रॉब्लम सुलझाने पर ध्यान दें। सोशल मीडिया का उपयोग आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी सहायता के लिए करें। पुलिस अधिकारी गरीबों, महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए देवदूत की तरह कार्य करें। ऐसे अधिकारी बनें, जिनका सम्मान समाज के प्रत्येक वर्ग में हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी के परेड ग्राउंड में मंगलवार को आयोजित 44वें एवं 45वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे



पूर्व दीक्षांत परेड समारोह में राष्ट्रीय निशान टोली के आगमन के साथ पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान 'जन गण मन' की धुन प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद नव प्रशिक्षित अधिकारियों ने अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए सधे हुए कदमों और उत्कृष्ट तालमेल से परेड मार्च किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। परेड में अधिकारियों ने प्रदेश और राष्ट्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के 48 प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रदेश की सेवा के लिए तैयार हैं।

ओमान के तट के पास भारतीय जहाज पर हमला, एक नाविक की मौत; 13 को बचाया गया



नई दिल्ली (आरएनएस)। = ओमान के तट के पास भारतीय झंडे वाले एक कार्गो जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार 13 अन्य नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। जहाज पर कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। केंद्रीय शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को हुई इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि जहाज को ओमान के तट के नजदीक निशाना बनाया गया था।मंत्री के अनुसार, हमले का शिकार हुए जहाज की पहचान MSV Al Jusufi के रूप में हुई है। जहाज ओमान के तट के पास से गुजर रहा था, तभी किसी अज्ञात हवाई वस्तु से उस पर हमला किया गया। घटना के बाद ओमान के कोस्ट गार्ड ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर 13 नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, एक नाविक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी बाद में मौत हो गई।मृतक की पहचान गुजरात निवासी गंधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर नाविक की मौत पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

केदारताल ट्रैक पर फंसे आठ ट्रैकर्स में से दो के शव मिले, छह की तलाश जारी

एसडीआरएफ और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की उच्च हिमालयी बचाव टीम ने चार हजार मीटर की ऊंचाई पर चलाया अभियान

उत्तरकाशी (आरएनएस)। केदारताल ट्रैक पर पांच दिन से फंसे आठ पर्वतारोहियों की तलाश में जुटी राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम को मंगलवार को दो शव मिले हैं। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। अन्य छह लोगों की तलाश के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) और एसडीआरएफ की उच्च हिमालयी बचाव टीम ने अभियान जारी रखा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने दो शव मिलने की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, पांच दिन पूर्व केदारताल ट्रैक पर कच्ची ढांग के समीप आठ ट्रैकर्स फंस गए थे। उनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ और निम की टीम मौसम साफ होने के बाद मंगलवार को बचाव अभियान पर निकली। समुद्र तल से करीब चार हजार मीटर की ऊंचाई पर चलाए गए इस अभियान के दौरान टीम को एक महिला और एक पुरुष का शव मिला। दोनों शव फंसे हुए ट्रैकर्स के होने की आशंका जताई जा रही है।

बुधवार को दोनों शवों को हेलिकॉप्टर के माध्यम से हर्षिल हेलीपैड लाया जाएगा। दो शव मिलने के बाद शेष छह लोगों के जीवित होने की संभावनाएं भी कमजोर पड़ती नजर आ रही हैं। हालांकि, बचाव दल ने उनकी तलाश का अभियान जारी रखने का निर्णय लिया है।

एसडीआरएफ के सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि बुधवार को भी निम और एसडीआरएफ की टीमें तलाश अभियान चलाएंगी। बचाव अभियान में जुटी टीम की सहायता के लिए एक अतिरिक्त दल रसद और जीवनरक्षक सामग्री के साथ केदारखड़क भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान को प्रभावी ढंग से जारी रखने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

विएशन- मुंबई एयरपोर्ट पर उड़ानों की कटौती को लेकर टकराव, एयरलाइंस पहुंचीं केंद्र सरकार के पास

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर टर्मिनल-1 की क्षमता कम करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई हवाईअड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस विवाद का असर मुंबई और नवी मुंबई के दोनों हवाई अड्डों के बीच उड़ानों के बंटवारे और हवाई यातायात के संचालन पर पड़ सकता है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-1 की यात्री क्षमता घटाने और करीब 265 साप्ताहिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई हवाईअड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना पर विवाद बढ़ गया है। एयरलाइंस ने एयरपोर्ट संचालक कंपनी के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।एयरलाइंस की प्रतिनिधि समिति ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) की योजना को एकतरफा बताया है।



दीपावली और छठ पूजा पर दुर्ग-बरौनी के बीच चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

तीन-तीन फेरों के लिए होगा परिचालन, रायपुर, बिलासपुर, चांपा और रायगढ़ सहित 18 स्टेशनों पर मिलेगा ठहराव

दुर्ग ,0 (आरएनएस)। दीपावली और छठ पूजा के दौरान रेल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दुर्ग और बरौनी के बीच पूजा विशेष रेलगाड़ी चलाने का निर्णय लिया है। यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस रेलगाड़ी का दोनों दिशाओं में तीन-तीन फेरों के लिए परिचालन किया जाएगा।

रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 08755 दुर्ग-बरौनी पूजा विशेष रेलगाड़ी दुर्ग से प्रत्येक बुधवार को 4, 11 और 18 नवंबर 2026 को रवाना होगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 08756 बरौनी-दुर्ग पूजा विशेष रेलगाड़ी बरौनी से प्रत्येक गुरुवार को 5, 12 और 19 नवंबर को चलेगी। इस रेलगाड़ी का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा और रायगढ़ स्टेशनों पर व्यावसायिक ठहराव निर्धारित किया गया है।

गाड़ी संख्या 08755 दुर्ग-बरौनी पूजा विशेष रेलगाड़ी निर्धारित तिथियों पर दुर्ग स्टेशन से सुबह 10.30 बजे रवाना होगी। यह रायपुर स्टेशन पर सुबह 11.15 बजे पहुंचेगी और 11.20 बजे रवाना होगी। भाटापारा में दोपहर 12.12 बजे आगमन और 12.14 बजे प्रस्थान होगा। बिलासपुर में दोपहर 1.15 बजे पहुंचकर 1.25 बजे रवाना होगी। चांपा स्टेशन पर दोपहर 2.14 बजे आगमन और 2.16 बजे प्रस्थान होगा। इसके बाद रायगढ़ स्टेशन पर दोपहर 3.08 बजे पहुंचेगी। मार्ग के अन्य निर्धारित स्टेशनों पर ठहराव करते हुए यह रेलगाड़ी अगले दिन सुबह 11 बजे बरौनी पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 08756 बरौनी-दुर्ग पूजा विशेष रेलगाड़ी निर्धारित तिथियों पर बरौनी स्टेशन से दोपहर 2 बजे रवाना होगी। अगले दिन यह रायगढ़ स्टेशन पर दोपहर 12.25 बजे पहुंचेगी और 12.27 बजे रवाना होगी। चांपा में दोपहर 1.35 बजे आगमन और 1.37 बजे प्रस्थान होगा। बिलासपुर स्टेशन पर दोपहर 3.55 बजे पहुंचकर शाम 4.05 बजे रवाना होगी। भाटापारा में शाम 7.10 बजे आगमन और 7.12 बजे प्रस्थान होगा। रायपुर स्टेशन पर रात 9.05 बजे पहुंचकर 9.10 बजे रवाना होगी तथा रात 11.05 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी।

‘श्री राम जी के 5 बाप थे’, धीरेंद्र शास्त्री के एक और बयान पर हंगामा



लखनऊ(उत्तम हिन्दू न्यूज)= समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एक कथित बयान को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। भगवान श्रीराम के पांच पिता होने संबंधी टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अखिलेश यादव ने कथावाचक पर निशाना साधते हुए उनके कार्यक्रमों को रद्द करने की मांग की है।अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए सवाल उठाया कि आखिर ऐसे लोग किसके इशारे पर सक्रिय हैं। वायरल वीडियो में धीरेंद्र शास्त्री कथित तौर पर भगवान श्रीराम के पांच पिता होने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में राजा दशरथ की मृत्यु के बाद भगवान राम द्वारा अंत्येष्टि संस्कार नहीं किए जाने का भी उल्लेख किया।इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि पहले भगवान श्रीकृष्ण को लेकर विवादित वीडियो सामने आया और अब भगवान श्रीराम के पिता को लेकर आपत्तिजनक बातें कही जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयासों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित कथावाचक के सभी कार्यक्रम रद्द करने की मांग भी उठाई।

राम-कृष्ण की तुलना को लेकर भी हो चुका है विवाद

गौरतलब है कि इससे पहले मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी भी विवादों में आ गई थी। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। संत समाज के कुछ लोगों ने इस पर आपत्ति जताई थी।विवाद बढ़ने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने सफाई देते हुए कहा था कि उनका उद्देश्य भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच किसी तरह का अंतर पैदा करना नहीं था। यदि उनकी बातों से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए क्षमा मांगते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी टिप्पणी भक्ति परंपरा और ब्रज की प्रेमपूर्ण अभिव्यक्ति के संदर्भ में थी, न कि किसी भगवान का अपमान करने के लिए।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

12 घंटे तक तेज हवाओं-भारी बारिश का अलर्ट; हजारों पेड़-बिजली के पोल गिरे, 30 फ्लाइट्स कैंसिल

हैदराबाद/भुवनेश्वर/अमरावती/चेन्नई। चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर तेलंगाना की ओर चला गया है। हालांकि, इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है। इसके असर से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मंगलवार सुबह 5=30 बजे तूफान का केंद्र तट पार कर गया।तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए।तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है।



K K

राजधानी समाचार



बुधवार 04 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

प्रदेश के समग्र विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 23 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय



भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रि-परिषद के निर्णयों की जानकारी दी। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास, पर्यावरण संतुलन और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 23 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के कई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। वनों के संवर्धन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी 9 प्रमुख योजनाओं के लिए 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही कृषि और जल प्रबंधन को गति देने के लिए पन्ना, विदिशा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली तथा उज्जैन की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के निरंतर संचालन के लिए 4,103 करोड़ 73 लाख रुपये का अनुमोदन दिया गया है। शहरों में नागरिक सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत 700 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 610 करोड़ 51 लाख रुपये तथा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए लोकायुक्त संगठन के लिए 573 करोड़ 85 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। जनजातीय गौरव के संरक्षण के तहत जबलपुर स्थित राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय के सुचारू संचालन के लिए पद सृजन और वार्षिक व्यय को भी मंजूरी दी गई है।वनों के संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों के लिए 17 हजार 240 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने वनों के संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों के लिए वन विभाग के अंतर्गत संचालित 9 प्रमुख विद्यमान योजनाओं के सुचारु संचालन के लिए कुल 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अवधि में 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए प्रदान की गई है।स्वीकृत राशि में से सर्वाधिक 10,664 करोड़ 79 लाख रुपये कार्यकारी योजना संगठन एवं वन वृत्तों की स्थापना पर खर्च किए जाएंगे। क्षतिपूर्ति वनीकरण योजना के लिए 1,994 करोड़ 30 लाख रूपये, राष्ट्रीय उद्यानों की स्थापना के लिए 1,623 करोड़ 79 लाख रुपये, इमारती लकड़ी उत्पादन के लिए 1,107 करोड़ 06 लाख रुपये और जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए 604 करोड़ 23 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

साथ ही मुख्यालय स्थापना, वन प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन, कार्य योजना निर्माण और संरक्षित क्षेत्रों के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए भी आवश्यक बजट मंजूर किया गया है। इस निर्णय से प्रदेश में वनों के संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों को नई गति मिलेगी। मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृत 9 योजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण, वनों का वैज्ञानिक प्रबंधन, जैव-विविधता और वन्यजीव संरक्षण सुनिश्चित करना है। मुख्यालय स्थापना और कार्यकारी वन वृत्तों की स्थापना योजनाओं का उद्देश्य मुख्यालय से लेकर मैदानी वनमंडलों तक प्रशासनिक नियंत्रण, वनों की सुरक्षा और अमले का प्रबंधन करना है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, में उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत समारोह में परेड का अवलोकन किया।

मध्यप्रदेश को रबी सीजन में 250 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत उपलब्ध होगी

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में रबी सीजन के दौरान विद्युत की बढ़ती मांग एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के प्रयासों से केंद्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश को ईस्टर्न रीजन अनअलोकेटेड पावर पूल (Eastern Region Unallocated Power Pool) से 250 मेगावाट विद्युत आवंटित की गई है। यह बिजली NTPC के माध्यम से मध्यप्रदेश को उपलब्ध कराई जाएगी तथा इसका आवंटन तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।रबी सीजन में कृषि कार्यों एवं अन्य उपभोक्ताओं की विद्युत आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह आवंटन प्रदेश में विद्युत मांग एवं उपलब्धता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को अतिरिक्त संबल मिलेगा तथा मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता प्राप्त होगी।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम पी.सी. शाक्य, महेन्द्र कबचे ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 116 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर जनसुनवाई में आए दिव्यांग रमेश प्रसाद जो कि पैरों से 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं, को जन सुनवाई में अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अर्चना शर्मा द्वारा ट्राय साइकिल प्रदान की गई। एडीएम श्री शाक्य, श्री कबचे ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया।

मप्र में 3 हज़ार 62 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया 16 नवम्बर से होगी प्रारंभ

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया 16 नवंबर से प्रारंभ हो रही है। प्रदेश में लगभग पांच वर्ष बाद ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल (https://eseva.mp.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

आगामी त्योहारों पर आतिशबाजी करते समय सुरक्षा सावधानियों का रखें विशेष ध्यान

- स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी, बच्चों को वयस्कों की निगरानी में ही पटाखे जलाने की सलाह



भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में आगामी त्योहारों के दौरान आतिशबाजी से होने वाली दुर्घटनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने मंगलवार को पटाखे जलाने से पहले, आतिशबाजी के दौरान और उसके बाद अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि पटाखे हमेशा खुले एवं सुरक्षित स्थानों पर ही जलाएं। इमारतों, वाहनों, सूखी वनस्पतियों एवं ज्वलनशील पदार्थों से पर्याप्त दूरी रखें। आतिशबाजी के दौरान सूती कपड़े पहनें तथा बंद जूते का उपयोग करें। बच्चों को बिना वयस्क निगरानी के पटाखे न दें और उन्हें पटाखे जेब में नहीं रखने की समझाइश दें। पटाखे जलाते समय पानी या रेत से भरी बाल्टी पास में रखें तथा एक समय में केवल एक ही पटाखा जलाएं।पटाखे जलाते समय हाथ और चेहरे को उनसे सुरक्षित दूरी पर रखें। अनार, चकरी एवं बम को हाथ में रखकर न जलाएं, बल्कि समतल जमीन पर रखकर ही प्रज्वलित करें। रॉकेट को हाथ से अथवा क्षैतिज दिशा में न छोड़ें। अतिरिक्त आवाज या प्रभाव के लिए पटाखों को टिन के डिब्बे, बर्तन अथवा कांच की बोतल से न ढकें। यदि कोई पटाखा जलने के बाद नहीं फूटता है तो उसके पास न जाएं और कम से कम 20 मिनट प्रतीक्षा करने के बाद उस पर पानी डालकर निष्क्रिय करें।

निवेश के दावों और बढ़ते कर्ज को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में बढ़ते सरकारी कर्ज और ब्याज भुगतान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर प्रदेश में बड़े निवेश और औद्योगिक विकास के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी खर्चों के लिए लगातार कर्ज लिया जा रहा है। पटवारी ने कहा कि सरकार को निवेश के दावों के साथ यह भी बताना चाहिए कि प्रदेश में कितना निवेश वास्तव में जमीन पर उतरा और उससे कितने लोगों को रोजगार मिला।

जीतू पटवारी ने मंगलवार को मीडिया को जारी अपने बयान में दावा किया कि वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अक्टूबर के बीच प्रदेश सरकार करीब 44,980 करोड़ रुपए का नया कर्ज ले चुकी है। इसके अलावा 3 नवंबर को 4,000 करोड़ रुपए का एक और कर्ज लेने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में सरकार ने करीब 14,073 करोड़ रुपए ब्याज भुगतान और पुराने ऋण के पुनर्भुगतान पर खर्च किए हैं। उनके मुताबिक, लगातार बढ़ती ऋण देनदारियां प्रदेश की वित्तीय स्थिति के सामने चुनौती पेश कर रही हैं।

एमपी राज्यसभा चुनाव

कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी राजकुमार लोहानी और कांते सायन्ना का नामांकन रद्द



भोपाल(आरएनएस)। चुनावी घमासान के बीच कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार राजकुमार लोहानी को तगड़ा सियासी झटका लगा है। नामांकन पत्रों की आधिकारिक जांच (स्क्रूटनी) के दौरान प्रक्रियात्मक त्रुटियों के चलते निर्वाचन अधिकारी ने उनका नामांकन पत्र निरस्त कर दिया। इसके साथ ही एक अन्य उम्मीदवार कांते सायन्ना का पर्चा भी जांच में खारिज कर दिया गया है। जांच पड़ताल में यह तथ्य सामने आया कि राजकुमार लोहानी के नामांकन फॉर्म के साथ निर्वाचन आयोग द्वारा अनिवार्य किया गया शपथ पत्र 'फॉर्म 26' संलग्न नहीं था। चुनाव दिशानिर्देशों के मुताबिक आवश्यक वैधानिक दस्तावेज पूरे न पाए जाने पर रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमानुसार यह सख्त कदम उठाया। दो प्रमुख उम्मीदवारों के चुनावी दौड़ से बाहर होने के बाद इलाके के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है।

भोपाल में नए गैस कनेक्शन बंद, 20 हजार आवेदन अटके, छोटे सिलिंडर भी नहीं बने विकल्प

भोपाल (ए.)। राजधानी में रसोई गैस का संकट अब सिर्फ सिलिंडर की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि नए कनेक्शन के इंतजार में बैठे हजारों परिवारों की रसोई पर भी भारी पड़ रहा है। मार्च से बंद पड़े 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलिंडरों के नए कनेक्शन दोबारा शुरू नहीं हो सके हैं। विकल्प के तौर पर कंपनियों ने पांच और 10 किलो के सिलिंडर बाजार में उतारे, लेकिन महंगी कीमत और कम क्षमता के कारण ये उपभोक्ताओं का भरोसा नहीं जीत पाए। नतीजा यह है कि तीन महीने में जिले की 46



गैस एजेंसियां मिलकर भी इनके एक हजार कनेक्शन नहीं कर सकी। दूसरी ओर, 20 हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं और जरूरतमंद परिवार 1800 से 2100 रुपये तक में ब्लैक में सिलिंडर खरीदने को मजबूर हैं।

इंडेन, एचपी और भारत गैस ने जून-जुलाई में पांच और 10 किलो के सिलिंडरों के नए कनेक्शन देने शुरू किए थे। कंपनियों को उम्मीद थी कि इससे घरेलू गैस की मांग का दबाव कम होगा, लेकिन उपभोक्ताओं ने इस व्यवस्था से दूरी बना ली। पांच किलो के सिलिंडर का नया कनेक्शन 1585 रुपये और 10 किलो का 4700 रुपये में मिल रहा है। इसके मुकाबले पहले 14.2 किलो के सिलिंडर का कनेक्शन 3000 से 3500 रुपये में मिल जाता था। ऐसे में कम गैस के लिए ज्यादा शुरुआती खर्च उपभोक्ताओं को रास नहीं आ रहा। जिले की गैस एजेंसियों पर रोजाना आठ से 10 उपभोक्ता 14.2 किलो के नए कनेक्शन की उम्मीद में पहुंच रहे हैं। आवेदन करने के बावजूद उन्हें कनेक्शन नहीं मिल रहा। छोटे सिलिंडरों के लिए इक्का-दुक्का उपभोक्ता ही पहुंचते हैं। मार्च से पहले प्रतिदिन 150 से 200 नए कनेक्शन जारी होते थे। गैस की किल्लत के बीच नए कनेक्शन की मांग में 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी। पांच से अधिक सदस्यों वाले परिवारों के लिए 14.2 किलो का सिलिंडर एक महीने या उससे कम समय में खत्म हो जाता है।

शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग को बढ़ावा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल और जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) के बीच हुआ एमओयू

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल में सतत मशरूम उत्पादन, मूल्य संवर्धन एवं कृषि व्यवसाय विकास विषय पर हुआ एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन



भोपाल (ए.)। विद्यार्थियों, किसानों, शोधार्थियों एवं युवाओं को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने, मूल्य संवर्धन, कृषि उद्यमिता, स्वरोजगार एवं ग्रामीण आर्थिक विकास के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), भोपाल के कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को सतत मशरूम उत्पादन, मूल्य संवर्धन एवं कृषि व्यवसाय विकास विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के मध्य शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते का प्रमुख उद्देश्य कृषि विषय के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण, कौशल विकास, अनुसंधान, व्यावहारिक ज्ञान एवं क्षमता संवर्धन को प्रोत्साहित करना है। वेबिनार में देश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की, जिनमें विद्यार्थी, वैज्ञानिक, शोधार्थी, प्राध्यापक, किसान एवं कृषि उद्यमी शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी एवं जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) की निदेशक श्रीमती सरिता बाला ओम प्रजापति उपस्थित रहीं। इस दौरान विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. ए. के. भारद्वाज, संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंघई, परीक्षा नियंत्रक डॉ. महीपाल सिंह यादव, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ. बी. के. सिन्हा, डॉ. स्मिता राजन, डॉ. प्रियंका गुर्जर, डॉ. शुभम मिश्रा एवं डॉ. मुबीन मंसूरी सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। वेबिनार के प्रथम तकनीकी सत्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एम. पी. ठाकुर ने मशरूम उत्पादन, मूल्य संवर्धन एवं कृषि व्यवसाय विकास हेतु समग्र दृष्टिकोण विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों, उत्पादन प्रबंधन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा कृषि व्यवसाय के रूप में इसकी संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पूर्व कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार पांडेय ने मशरूम: जैव पदार्थों का एक प्राकृतिक स्रोत, संभावनाएं एवं चुनौतियाँ विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने मशरूम के पोषण संबंधी महत्त्व, जैविक संसाधन के रूप में इसकी उपयोगिता तथा उत्पादन एवं विपणन के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए।तृतीय तकनीकी सत्र में देव्स मशरूम, छिंदवाड़ा के संस्थापक देवरत्न उइके ने विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने मशरूम उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं, आवश्यक सामग्री, उत्पादन माध्यम तैयार करने की विधि, स्पॉन (मशरूम बीज) के उपयोग तथा उत्पादन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

भोपाल में सफाईकर्मियों का चक्काजाम, जहांगीराबाद चौराहे पर प्रदर्शन से यातायात प्रभावित



भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर से पहुंचे सफाई कर्मचारियों ने जहांगीराबाद चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। सुबह 9 बजे से शाहजहांनी पार्क में धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना था कि शाम तक उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं हुआ और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन लेने भी कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। इससे नाराज कर्मचारियों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। चक्काजाम के कारण जहांगीराबाद सहित पुराने शहर के कई इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में राजधानी भोपाल के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में सुबह से शाहजहांनी पार्क में जुटने लगे थे। उन्होंने शाम 4 बजे तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की बात कही थी। हालांकि, ज्ञापन लेने के लिए अधिकारी नहीं पहुंचे तो कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की रणनीति बनाई।

बेरिकेडिंग हटाकर जहांगीराबाद पहुंचे कर्मचारी

प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने शाहजहांनी पार्क के रास्ते पर बेरिकेडिंग की थी। हालांकि, कर्मचारी बेरिकेडिंग हटाकर बाहर निकल आए और तलैया थाने के सामने से होते हुए जहांगीराबाद चौराहे पर पहुंच गए। यहां पुलिस ने दोनों ओर बेरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद कर्मचारी सड़क पर ही बैठ गए और चक्काजाम शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने आसपास के मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया। पुलिस कंट्रोल रूम के सामने और पुराने शहर के कुछ हिस्सों में भी जाम की स्थिति बनी।यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने कहा कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के सामने पक्ष रख रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में वेतन वृद्धि, लंबे समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों का नियमितीकरण और सेवा संबंधी समस्याओं का निराकरण शामिल है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने नवीन 'ई-ऊर्जा भवन' का किया भूमि-पूजन

भोपाल (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, त्वरित और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग द्वारा प्रभावी कार्यक्रम बनाकर बेहतर अनुप्रयोग अमल में लाये जाने के अनुक्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का निर्मित होने वाला नवीन ई-ऊर्जा भवन प्रभावी भूमिका निभाएगा।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मंगलवार को बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा स्थित आस्था परिसर में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नवीन ई-ऊर्जा भवन के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग, निदेशक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा, मुख्य वित्तीय अधिकारी अखिलेश कुमार पाण्डे सहित सभी मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

दिवाली पर बालाजी मंदिर में महालक्ष्मी-कुबेर देव का होगा अलौकिक नोटों से भव्य श्रृंगार



मन्दसौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर में न्यायालय परिसर स्थित जन-जन की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री तोप वाले बालाजी मंदिर प्रांगण में स्थापित श्री महालक्ष्मी जी एवं भगवान कुबेर देव के मंदिर में इस बार दीपावली का पावन पर्व अत्यंत भव्य और ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा।मंदिर समिति द्वारा मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि दिनांक 6 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक माँ महालक्ष्मी एवं कुबेर जी का श्रृंगार नगद राशि और अनमोल जेवरातों से किया जाएगा। इस भव्य श्रृंगार में 10, 20, 50, 100, 200 और 500 रुपए के करारे नोटों का उपयोग किया जाएगा। इस वृहत् आयोजन के लिए समिति ने कम से कम एक करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा है, जिसमें से अभी तक श्रद्धालुओं के सहयोग से करीब पचास लाख रुपए प्राप्त हो चुके हैं।समिति सदस्यों ने बताया कि आगामी 6 नवंबर 2026, शुक्रवार को धनतेरस के पावन उपलक्ष में शाम 7 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस महाआरती के साथ ही मंदिर प्रांगण में भव्य और आकर्षक आतिशबाजी का कार्यक्रम भी होगा जिससे संपूर्ण परिसर जगमगा उठेगा। इस विशेष दिन यहां विराजित महालक्ष्मी एवं कुबेर जी की इस पावन प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं के दर्शन के लिये विशेष व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है। श्री तोप वाले बालाजी मंदिर समिति के जितेन्द्र गेहलोद, सुरेश देवड़ा, प्रदीप गुप्ता, दुर्गाप्रसाद माथुर, प्रेम कहार, भुपेश भाटी एडवोकेट, दिनेश जेठानिया एडवोकेट, विपिन भादविया, संजय देवड़ा, राजेन्द्र नीमा, बंशीलाल कहार, सुरेश राठौर, पिंकेश कुमावत, दिनेश जोशी ने मन्दसौर जिले के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से विनम्र अपील की है ।

इंदौर में आरएसएस की बैठक युवाओं से जुड़े मुद्दों पर रहेगी नजर, नशे के खिलाफ छेड़ेगा अभियान

इंदौर (ए.)। आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक मंगलवार को भी जारी रही। बैठक में प्रांत के बजाय बनाए जा रहे संभागों के पदों को लेकर मंथन हुआ। जल्द ही नए पदों की जिम्मेदारियां भी संघ स्वयंसेवकों को सौंपी जाएंगी, ताकि मार्च में होने वाले संगठनात्मक चुनाव में वे पदाधिकारी अन्य पदों के लिए अपना मत प्रकट कर सकें। अभी तक प्रांत कार्यवाह होते थे, लेकिन अब प्रांत के बजाय संभाग स्तर पर जिम्मेदारियां दी जाएंगी। इसके अलावा क्षेत्रीय स्तर के बजाय राज्य स्तर पर पदों का गठन होगा। संघ अपने परंपरागत विषयों के साथ तो आगे बढ़ेगा ही, लेकिन अब युवाओं से जुड़े मुद्दों पर भी नजर रखेगा। सबसे पहले नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। संघ इस दिशा में दूसरे संगठनों के साथ भी सहभागिता करेगा।

बैठक में तय किया गया है कि संघ अपना सामाजिक दायरा बढ़ाएगा। इसके लिए सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं को भी अपने साथ जोड़ेगा और उनके आयोजनों में भाग लेगा। इन संस्थाओं के साथ होने वाले आयोजनों के जरिए संघ अपने विचारों को आगे बढ़ाएगा। बैठक में बताया गया कि शताब्दी वर्ष में भी अन्य संस्थाओं के साथ देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस इंस्पेक्टर की हत्या पर उबाल

उज्जैन में कांग्रेस की मानव श्रृंखला; सरकार से पूछा- आम आदमी कैसे सुरक्षित?



देवास (ए.)। देवास जिले के खातेगांव में ड्यूटी पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर की गाड़ी से कुचलकर की गई निर्मम हत्या ने पूरे प्रदेश को हिलाकर रख दिया है। इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में मंगलवार को उज्जैन में कांग्रेस सड़क पर उतर आई। शहर के हृदय स्थल टावर चौक पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विशाल मानव श्रृंखला बनाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान टावर चौक पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एक-दूसरे का हाथ पकड़कर मानव श्रृंखला में खड़े हुए और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे इलाके में कांग्रेस के झंडे-बैनर और न्याय दो के नारे गूंजते रहे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेश परमार ने प्रदेश सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। ईमानदारी से अपना फर्ज निभाने वाले अधिकारियों को सुरक्षा देने के बजाय अपराधी उन्हें मौत के घाट उतार रहे हैं।

आज पुलिस भी सुरक्षित नहीं है, तो आम आदमी का क्या होगा?

प्रदर्शन में शामिल शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रवि राय, कांग्रेस के तमाम पार्षदों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि देवास हत्याकांड के दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को न्याय और सुरक्षा मिले तथा प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर सरकार जवाब दे।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में बेखौफ घूम रहे अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे पुलिस प्रशासन को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और पूरे जिले में प्रदर्शन किया जाएगा।

नकली चेन पर सोने की पॉलिश कर ज्वेलर्स को लगाया चूना, दो महिलाएं पकड़ी गईं; तीन सोने की चेन बरामद



इंदौर (ए.)। तुकोगंज थाना क्षेत्र स्थित नाना भाई ज्वेलर्स में ठगी की वारदात को अंजाम देने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नकली सोने की चेन पर सोने की पॉलिश कर उसे असली चेन की तरह दिखाया और ज्वेलर्स से करीब दो लाख रुपये कीमत की असली सोने की चेन लेकर फरार हो गईं। घटना के बाद ज्वेलर्स संचालक ने तुकोगंज पुलिस से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद तुकोगंज पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया। जांच के दौरान पुलिस को दोनों महिलाओं के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच और पूछताछ के बाद दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने गिरफ्तार महिलाओं के कब्जे से तीन सोने की चेन भी बरामद की हैं।

अशोकनगरः धीरेंद्र शास्त्री के बयानों पर बवाल में फूटा आक्रोश, पुतला दहन

अशोकनगर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के बाद आक्रोश भडक़ उठा। सोशल मीडिया पर शुरू हुआ विरोध मंगलवार को सडक़ों तक पहुंच गया। शहर के हृदयस्थल गांधी पार्क चौराहे पर श्रद्धालु एकत्रित हुए और धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद उनका पुतला बनाकर दहन किया गया।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि धार्मिक आस्था से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक मंचों से इस तरह की टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री की कथाओं और बयानों पर रोक लगाने की मांग भी उठाई। एक बयान नहीं, विवादों की लंबी फेहरिस्त धीरेंद्र शास्त्री इससे पहले भी अपने बयानों को लेकर कई बार विवादों में घिर चुके हैं। अलग-अलग अवसरों पर उनके कथित बयानों को लेकर सामाजिक



और धार्मिक संगठनों ने विरोध दर्ज कराया है।अछूत शब्द के इस्तेमाल का विवाद मई 2022 में वायरल एक वीडियो को लेकर विवाद हुआ, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर एक व्यक्ति को पैर छूने से रोकते हुए 'अछूत' शब्द का इस्तेमाल किया। बाद में उनके समर्थकों की ओर से सफाई दी गई कि शब्द का इस्तेमाल स्वयं के संदर्भ में किया गया था।संत तुकाराम की पत्नी को लेकर टिप्पणी फरवरी 2023 में कथा के दौरान संत तुकाराम की पत्नी को लेकर कथित टिप्पणी पर विवाद खड़ा हुआ। विरोध के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने सफाई देते हुए खेद जताया और माफी मांगी।साईं बाबा पर टिप्पणी अप्रैल 2023 में साईं बाबा को लेकर दिए गए कथित बयान पर विवाद हुआ। उन्होंने साईं बाबा की तुलना भगवान से किए जाने पर आपत्ति जताई थी। विवाद बढऩे के बाद उन्होंने सफाई देते हुए खेद व्यक्त किया।सहस्रबाहु अर्जुन विवाद अप्रैल 2023 में सहस्रबाहु अर्जुन को लेकर कथित टिप्पणी पर भी विरोध हुआ। संबंधित समाज की नाराजगी के बाद उन्होंने खेद व्यक्त किया।कुंभलगढ़ और हिंदू राष्ट्र को लेकर बयान मार्च 2023 में राजस्थान के कुंभलगढ़ और हिंदू राष्ट्र से जुड़े कथित बयानों को लेकर भी विवाद सामने आया।

व्यापार समाचार

सीटीआई ने भैया दूज तक रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की, एक महीने में 14,000 करोड़ के नुकसान का किया दावा

नई दिल्ली (ए.)। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक पत्र लिखकर मांग की है कि 11 नवंबर को भैया दूज तक दिल्ली में विशेषकर कनॉट प्लेस, जंतर मंतर, रामलीला मैदान, इंडिया गेट, राजघाट, दिल्ली गेट सहित सेंट्रल दिल्ली और पुरानी दिल्ली में किसी भी रैली, धरना प्रदर्शन, प्रोटेस्ट मार्च की अनुमति न दी जाए।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैलियों और धरनों की वजह से व्यापारियों को पहले ही काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। अब वे और अधिक व्यवधान झेलने की स्थिति में नहीं हैं, खासकर त्योहारों की खरीदारी के इस पीक सीजन में।

सीटीआई के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच दिल्ली में व्यवसायों को लगभग 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

सीटीआआई का दावा है कि अक्टूबर के पूरे महीने जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, पटेल चौक और जनपथ पर लगातार प्रदर्शन और विरोध मार्च होने के कारण सेंट्रल दिल्ली में हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। इसके परिणामस्वरूप कनॉट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, खान मार्केट, करोलबाग, पहाड़गंज और कमला मार्केट में रिटेल व्यवसायों, होटलों, रेस्तरां और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

व्यापारी संगठन ने दावा किया कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित मेगा रैली के कारण कई क्षेत्रों में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का कारोबारी नुकसान हुआ। इसमें से खुदरा और थोक व्यापार क्षेत्र को लगभग 8,800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।

सीटीआई ने बताया कि रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में लगभग तीन लाख दुकानें हैं। इनमें कश्मीरी गेट, मोरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, सदर बाजार, अजमेरी गेट, दरियागंज, पहाड़गंज, कमला मार्केट, जामा मस्जिद, भागीरथ पैलेस, लाजपत राय मार्केट, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, कनॉट प्लेस, पालिका बाजार, गफ्फार मार्केट और करोल बाग जैसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्र शामिल हैं।

संगठन ने दावा किया कि रैली वाले दिन लगभग 2.5 लाख दुकानें पूरी तरह से बंद रहीं, जिससे करीब 80 प्रतिशत व्यावसायिक गतिविधियां ठप हो गईं।

संगठन के अनुसार, यह रैली साल के सबसे व्यस्त खरीदारी वाले समय में हुई, ठीक धनतेरस (6 नवंबर) और दिवाली (8 नवंबर) से पहले।

संगठन ने यह भी दावा किया कि इस रैली के कारण लगभग 3-4 लाख ग्राहकों के बीच घबराहट फैल गई। ये ग्राहक नियमित रूप से दिल्ली के बाजारों में आते हैं और सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, बहादुरगढ़ और झज्जर जैसे आसपास के करीब 100 शहरों और कस्बों से आते हैं। बताया जा रहा है कि कई ग्राहकों ने अपनी खरीदारी की योजना रद्द कर दी।

सीटीआई ने ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में 1,500 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। उनका कहना है कि रामलीला मैदान के 10 किलोमीटर के दायरे में वाहनों और सामान की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। सामान चढ़ाने और उतारने का काम पूरी तरह रुक गया, जिससे प्रमुख बाजारों में माल की आवाजाही पर असर पड़ा।

व्यापारी संगठन के मुताबिक, नरेला, बवाना, ओखला, मायापुरी, मुंडका और उद्योग नगर समेत 56 औद्योगिक क्षेत्रों से लगभग 5,000 ट्रक और टेम्पो रोजाना इन बाजारों में सामान लेकर आते हैं। इसके अलावा, 3,000 ट्रक दिल्ली से देश के अलग-अलग हिस्सों और नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) तक सामान पहुंचाते हैं।सीटीआई ने बताया कि रैली के दौरान पूरी सप्लाई चेन बाधित हो गई।

अंबुजा सीमेंट्स क्षमता में 30 एमटीपीए का करेगा विस्तार; 14,500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

अहमदाबाद (ए.)। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने कहा कि उसने विस्तार के अगले चरण की योजना तैयार कर ली है। इसके तहत नए ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रमुख बाजारों में सीमेंट उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) बढ़ाई जाएगी। इसके लिए करीब 14,500 करोड़ रुपए का कुल ग्रोथ कैपेक्स कार्यक्रम प्रस्तावित है।

अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा और भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल सॉल्यूशन कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत के तेजी से बढ़ते बाजारों में अपनी मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। कंपनी के पास फिलहाल देशभर में 24 इंटीग्रेटेड प्लांट और 24 ग्राइंडिंग यूनिट के जरिए 113.5 एमटीपीए की सीमेंट उत्पादन क्षमता है।

अदाणी ग्रुप के सीमेंट कारोबार के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, हमारे विस्तार का अगला चरण विकास की गुणवत्ता और अधिक संतुलित मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क तैयार करने पर केंद्रित है। क्लिंकर और ग्राइंडिंग क्षमता के बीच तालमेल मजबूत करने और तेजी से बढ़ते प्रमुख बाजारों के करीब विस्तार करने से हम अपने नेटवर्क में अधिक लचीलापन ला



रहे हैं।प्रस्तावित विस्तार के बाद वित्त वर्ष 2030 तक कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़कर 155 एमटीपीए हो जाएगी। बहेटी ने कहा, विस्तार के साथ हमारा ध्यान बाजार तक पहुंच, लॉजिस्टिक्स और लागत दक्षता को एक साथ बेहतर बनाने पर है, ताकि क्षमता में होने वाली हर बढ़ोतरी पूरे कारोबार की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करे। इन बाजारों में हमारा मजबूत सप्लाई चेन इकोसिस्टम है। साथ ही, ब्रांड इक्विटी और प्रीमियम सीमेंट की हिस्सेदारी भी मजबूत है। हमारा विस्तार मूल्य आधारित रणनीतिक विकास के अनुरूप होगा।

इस विस्तार योजना में पश्चिमी क्लस्टर में 15.5 एमटीपीए, पूर्वी क्लस्टर में 11.6 एमटीपीए और उत्तरी क्लस्टर में 2.9 एमटीपीए की नई ग्राइंडिंग क्षमता शामिल है। इस कार्यक्रम के तहत क्लिंकर उत्पादन क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। इसमें पूर्वी क्लस्टर के असम स्थित उमरांगसो में 4 एमटीपीए, पश्चिमी क्लस्टर के मराठा में 4 एमटीपीए और मुंद्रा में 2.3 एमटीपीए की नई क्षमता स्थापित की जाएगी। इससे विस्तारित ग्राइंडिंग नेटवर्क को आवश्यक क्लिंकर की आपूर्ति मजबूत होगी। बहेटी ने कहा, बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के अलावा, ये क्षमताएं बेहतर दक्षता के जरिए मैन्युफैक्चरिंग लागत कम करने में भी मदद करेंगी। बाजार के करीब होने से परिवहन की दूरी और लॉजिस्टिक्स लागत भी घटेगी। कुल मिलाकर, इससे वित्त वर्ष 2028 तक 4,000 रुपए प्रति मीट्रिक टन (पीएमटी) की लागत हासिल करने का रास्ता तैयार होगा। वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के दौरान कंपनी ने 4.6 एमटीपीए क्षमता जोड़ी। इसमें गुजरात के दहेज में 1.2 एमटीपीए का ब्राउनफील्ड विस्तार, उत्तर प्रदेश में 2.4 एमटीपीए की नई सलई बनवा ग्राइंडिंग यूनिट और महाराष्ट्र के कलंबोली में 1.0 एमटीपीए का ब्राउनफील्ड विस्तार शामिल है।

डिज्नी लागत कम करने के उपायों के तहत हजारों कर्मचारियों की छंटनी पर कर रही विचार : रिपोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी मनोरंजन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डिज्नी लागत कम करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी पर विचार कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी के कुछ प्रबंधकों को अपने-अपने विभागों में वार्षिक खर्च में 20 प्रतिशत तक कटौती के विकल्प तलाशने के निर्देश दिए गए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जोश डी अमारो मनोरंजन उद्योग के तेजी से बदलते परिदृश्य का सामना कर रहे हैं। उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बढ़ता उपयोग, बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में नरमी, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय थीम पार्कों में आगंतुकों की धीमी वृद्धि जैसी चुनौतियां कंपनी पर दबाव बना रही हैं।

जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित पुनर्गठन का असर सभी व्यवसायों पर समान रूप से नहीं पड़ेगा। कुछ इकाइयों में अन्य की तुलना में अधिक कर्मचारी कटौती की जा सकती है। हालांकि संभावित छंटनी की सटीक संख्या अभी तक सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लागत बचत से प्राप्त धनराशि का एक हिस्सा कंपनी की रणनीतिक विकास योजनाओं में लगाया जाएगा। इनमें फिल्म और टेलीविजन कंटेंट निर्माण, तकनीकी विकास, थीम पार्क संचालन तथा डिज्नी के तेजी से विस्तार कर रहे क्रूज व्यवसाय में निवेश शामिल है।

डिज्नी ने इस विषय पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। कंपनी के पास वित्त वर्ष 2025 के अंत तक लगभग 2.31 लाख कर्मचारी थे।

धनतेरस से पहले कीमती धातुओं पर दबाव! सोना 1 प्रतिशत फिसला; चांदी 5,600 रुपए तक टूटी



नई दिल्ली (ए.)। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। सोमवार को आई मामूली रिकवरी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और मंगलवार को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर फिर दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख, ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की संभावना और मजबूत रुपए के चलते सोना-चांदी की कीमतों पर दबाव देखने को मिली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। सोना करीब 1.05 प्रतिशत टूटकर 3,928 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, तो वहीं चांदी 3.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखाई दी।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी मिड-टर्म चुनावों से पहले निवेशक सतर्क हैं और फिलहाल बाजार में जोखिम लेने की इच्छा सीमित बनी हुई है। यही वजह है कि सोमवार की रिकवरी के बाद भी भारी खरीदारी देखने को नहीं मिली।

अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना करीब 1 प्रतिशत गिरकर 1.39 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गया, जबकि चांदी का भाव करीब 3 प्रतिशत फिसलकर 1.78 लाख प्रति किलोग्राम के करीब आ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,40,186 रुपए से 766 रुपए या 0.54 प्रतिशत गिरकर 1,39,420 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि दिन के कारोबार में एक समय यह 1,508 रुपए यानी 1.07 प्रतिशत गिरकर 1,38,678 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर आ गया।

वहीं, दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 1,83,779 रुपए से 892 रुपए या 0.48 प्रतिशत फिसलकर 1,82,887 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली, वहीं दिन के कारोबार में एक समय यह 5,667 रुपए यानी 3.08 प्रतिशत टूटकर 1,78,112 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और डॉलर में कमजोरी सामान्य रूप से सोने को समर्थन देती है, लेकिन फेडरल रिजर्व के सख्त रुख और ऊंची ब्याज दरों की आशंका ने कीमती धातुओं पर दबाव बनाए रखा है। वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊंचे कच्चे तेल के दाम महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने और चांदी की दिशा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति और महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगी। बाजार अब दिसंबर में फेड द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की संभावना को पहले की तुलना में थोड़ा कम मान रहा है, लेकिन अनिश्चितता अभी बरकरार है।तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, एमसीएक्स गोल्ड के लिए 1.40 लाख रुपए से 1.41 लाख रुपए का स्तर महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) है, और नीचे 1.37 लाख रुपए से 1.38 लाख रुपए का क्षेत्र अहम सपोर्ट माना जा रहा है। चांदी के लिए 1.78 लाख रुपए से 1.80 लाख रुपए का सपोर्ट जोन है, जबकि ऊपर की ओर 1.86 लाख रुपए से 1.88 लाख रुपए का स्तर मजबूत प्रतिरोध बना हुआ है।

सम्पादकीय



अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मनमानी के प्रतीक

स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कदम स्थिति को और अधिक बिगाड़ देते हैं। अत: सरकार को संवाद का रास्ता चुनना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में सियांग बांध का विरोध तेज होने के साथ ही सरकार ने युवा आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कम-से-कम 47 लोगों पर मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पांच नाबालिग बताए जाते हैं। केंद्र ने रैपिड एक्शन फोर्स की टुकड़ियां वहां भेजी हैं। अशांति की स्थिति में प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन बेहतर यह होगा कि वहां के हालात को सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या ना मानी जाए। समझा जाता है कि सियांग परियोजना पर अमल में तेजी तिब्बत में चीन के बांध बनाने के निर्णय के मद्देनजर लाई गई है।चीन के बांध से संभावित चुनौती का मुकाबला करने की पूर्व-तैयारी अपने-आप में समस्याग्रस्त सोच नहीं है। लेकिन इस दौरान स्थानीय निवासियों की इस राय को अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सियांग नदी पारंपरिक रूप से उनकी जिंदगी का सहारा रही है। इसलिए उस नदी के बहाव या उसकी प्राकृतिक संचरना में कोई परिवर्तन करने से पहले लोगों की सहमति पाना जरूरी है। वरना, यह परियोजना ऐसे जन असंतोष का कारण बन सकती है, जो चीन से लगे उस सीमाई इलाके में एक स्थायी नासूर बन जाए। मणिपुर गुजरे साढ़े तीन साल से सुलग रहा है। ऐसे में उत्तर-पूर्व के एक और राज्य की आबादी में आक्रोश पैदा करने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता। यह समझने की बात है कि जब स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ दमनकारी कदमों का इस्तेमाल स्थिति को और अधिक बिगाड़ देता है। अत: सरकार को तुरंत सभी सख्त कदमों और जबरन फैसले थोपने की प्रवृत्ति पर विराम लगाते हुए व्यापक जन संवाद शुरू करना चाहिए। ग्राम सभाओं, बुद्धिजीवियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रभावित नागरिकों को इस प्रक्रिया में समान भागीदार बनाकर उनकी चिंताओं का पारदर्शी समाधान निकाला जाना चाहिए। उससे विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवाम की सहभागिता बनाई जा सकेगी। वरना, उस क्षेत्र के लोग सियांग डैम को सत्तातंत्र की मनमानी के प्रतीक रूप में देखते रहेंगे।

आतिशबाजी की चमक और शोर में खोती संवेदनाएँ

लेखक : प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

आतिशबाजी की दुनिया भी बड़ी विचित्र है। कोई आसमान में रंगों की चादर बिछाता है, तो कोई ऐसा धमाका करता है कि कानों में घंटियाँ बजने लगती हैं। बाजार में कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों से लेकर अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों तक, हल्की रोशनी से लेकर आँखों को चौंधिया देने वाली चमक और धीमी आवाज से लेकर कानों के पदोज़ं को चुनौती देने वाले धमाकों तक, हर तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। पटाखा जितनी जोर से फूटता है, छोड़ने वाले का सीना उतना ही चौड़ा हो जाता है! लगता है, खुशी का पैमाना अब मुस्कान नहीं, बल्कि धमाके की तीव्रता हो गया है। पटाखों की चिंगारियाँ न जाने कितने बच्चों को झुलसा चुकी हैं, कितने लोगों को अस्पताल पहुँचा चुकी हैं और कितने परिवारों के उत्सव को मातम में बदल चुकी हैं। इनसे निकलने वाला धुआँ, सूक्ष्म कण और हानिकारक रासायनिक पदाथज़ मानव, पशु-पक्षियों तथा पयाज़्वरण के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इसके बावजूद इनका आकषज़्ण कम नहीं होता। लगता है, पटाखों में बारूद के साथ दिखावे का शौक और दूसरों से आगे निकलने की होड़ भी भरी होती है।

दशहरे पर रावण दहन हो, दीपावली का उत्सव, नए वषज़ का स्वागत, बारात का जुलूस, चुनाव में जीत का जश्न या फिर पाकिस्तान के विरुद्ध किसी खेल में भारत की विजय-हर अवसर पर आतिशबाजी का चलन दिखाई देता है। ऐसा लगता है मानो ये अवसर खुशियाँ मनाने के साथ-साथ आतिशबाजी की प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए भी बने हों। वर्ष में एक बार रात के ठीक बारह बजे होने वाली आतिशबाजी देखकर लगता है कि कैलेंडर बदलने के लिए भी विस्फोटक ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। नया साल आए या पुराना विदा हो, पटाखों की आवाज और रोशनी के बीच शुभकामनाएँ देने का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि पटाखे फोड़ने वाले को उनकी आवाज में संगीत सुनाई देता है और आनंद की अनुभूति होती है, जबकि पड़ोसी को उसी में कई बार प्रलय की आहट सुनाई देती है। धमाका करने वाला खुशी से झूमता है, बुजुर्ग करवटें बदलते रहते हैं, बीमार व्यक्ति बेचैन हो उठता है और छोटे बच्चे डरकर माँ की गोद में दुबक जाते हैं। लेकिन पटाखे छोड़ने वाले के उत्साह में कोई कमी नहीं आती। उसे अपने अधिकार का पूरा अहसास है, लेकिन दूसरों की परेशानी का शायद थोड़ा भी नहीं!

पटाखों के शोर से केवल मनुष्य ही परेशान नहीं होते। पशु-पक्षियों के लिए तो आतिशबाजी की तेज आवाज और अचानक फैलने वाली चमक भय तथा परेशानी का बड़ा कारण बनती हैं। कई पशु घबराकर सड़कों पर दौड़ पड़ते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। पक्षियों के लिए अचानक होने वाले तेज धमाके भय और दिशाभ्रम की स्थिति पैदा कर सकते हैं। उनके घोंसलों, विश्राम और सामान्य व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जो जीव अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं



कर सकते, उनकी चुप्पी को हम उनकी सहमति क्यों मान लेते हैं? क्या हमें सचमुच लगता है कि उन्हें भी हमारी तरह इस आतिशबाजी में आनंद आता होगा? सवाल उठता है कि आखिर आतिशबाजी की आवाज और रोशनी का जादू सिर चढ़कर क्यों बोलता है? क्या खुशी तब तक अधूरी रहती है, जब तक उसकी गूँज पूरे मोहल्ले में न सुनाई दे? क्या अपनी प्रसन्नता प्रमाणित करने के लिए दूसरों की नींद, शांति और सुकून छीनना जरूरी है? विडंबना देखिए कि हम एक ओर पयाज़्वरण संरक्षण के लिए प्रचार-प्रसार करते हैं, बच्चों को अच्छे संस्कार देने की बात करते हैं और देश में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर त्योहार आते ही सारी सीखों को छुट्टी पर भेज देते हैं। दीपावली पर घर का कोना-कोना साफ करते हैं, लेकिन अपने भीतर जमी असंवेदनशीलता की धूल साफ करना भूल जाते हैं। लगता है, हमारे संस्कार भी मौसमी हो गए हैं। सामान्य दिनों में शांति और सद्भाव की बातें होती हैं, लेकिन त्योहारों और विशेष अवसरों पर धुएँ तथा धमाकों की प्रतियोगिता शुरू हो जाती है! पटाखों का शोर केवल कुछ क्षणों की परेशानी तक सीमित नहीं रहता। अत्यधिक ध्वनि से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, नींद में व्यवधान पड़ सकता है और तनाव तथा बेचैनी बढ़ सकती है। विशेष रूप से नवजात शिशुओं, छोटे बच्चों, बुजुगोज़ं, हृदय रोगियों और ध्वनि के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के लिए यह शोर अधिक कष्टदायक हो सकता है। दूसरी ओर, पटाखों से निकलने वाला धुआँ और सूक्ष्म कण वायु की गुणवत्ता खराब करते हैं। इनमें मौजूद विभिन्न रासायनिक पदार्थ वायुप्रदूषण बढ़ाते हैं और आँखों तथा श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों को जन्म दे सकते हैं या पहले से मौजूद समस्याओं को गंभीर बना सकते हैं। पटाखों की चिंगारी कई बार सीधे अस्पताल का रास्ता भी दिखा देती है। यानी कुछ क्षणों के रोमांच की कीमत कई लोगों को अपने स्वास्थ्य से चुकानी पड़ सकती है। कई बार पटाखे फोड़ना प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है। पड़ोसी ने दस पटाखे फोड़े तो हम बीस फोड़ेंगे, उसने हजार रुपये के पटाखे फोड़ने का निश्चय किया है तो हम दस हजार के फोड़ेंगे, उसने आसमान रोशन किया तो हम आसमान सिर पर उठा लेंगे।

अपनी खुशी को दूसरों से बड़ी दिखाने की इस होड़ में उत्सव का आनंद पीछे छूट जाता है और प्रदशज़्न आगे आ जाता है। खुशी का यह कैसा प्रदर्शन है, जिसमें आनंद से अधिक शोर और उल्लास से अधिक प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है? इसका अर्थ यह नहीं कि त्योहारों की खुशियों पर पहरा लगा दिया जाए। सवाल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि उसे मनाने के तरीके का है। दीपक जलाना, मिठाइयाँ बाँटना, परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, अपने बच्चों के साथ अनाथालयों के बच्चों में खुशियाँ बाँटना तथा जरूरतमंदों की सहायता करना भी प्रसन्नता व्यक्त करने के सुंदर माध्यम हो सकते हैं। दीपावली का दीपक बिना कान फोड़े रोशनी देता है और नए वर्ष की शुभकामना बिना किसी विस्फोट के भी दिल तक पहुँच सकती है। हरित पटाखों के विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद यह समझना जरूरी है कि वे भी पूरी तरह प्रदूषणमुक्त नहीं होते। इसलिए सबसे बेहतर विकल्प अनावश्यक आतिशबाजी से बचना या उसे सांकेतिक तथा सीमित रखना ही है। इससे उत्सवों और खुशी के पलों को अधिक संवेदनशील, सुरक्षित तथा आनंददायी बनाया जा सकता है।वैसे भी आवाज और रोशनी का आकर्षण तभी तक अच्छा है, जब तक वह आनंद देने वाला प्रकाश और उल्लास बना रहे। जब वही आवाज मनुष्य के लिए भय और पशु-पक्षियों के लिए आतंक का कारण बन जाए, तब वह उत्सव नहीं, असंवेदनशीलता का शोर बन जाती है। हमें याद रखना होगा कि धमाके की आवाज और उसकी चमक कुछ ही सेकंड में समाप्त हो जाती है, लेकिन उनसे पैदा हुई चोट, भय और प्रदूषण के दुष्प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं। सभ्यता का परिचय इस बात से नहीं मिलता कि हम आतिशबाजी पर कितना पैसा खर्च कर सकते हैं, उसकी आवाज को कितनी दूर तक पहुँचा सकते हैं या कितनी देर तक वातावरण को गुंजायमान रख सकते हैं, बल्कि इससे मिलता है कि हम दूसरों की शांति, स्वास्थ्य और अधिकारों का कितना सम्मान करते हैं। सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी क्षेत्रों में निर्धारित समय तथा ध्वनि और आतिशबाजी संबंधी नियमों का पालन करना भी हमारी नागरिक जिम्मेदारी है। आखिर खुशी वह नहीं, जो पूरे मोहल्ले को जगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए, बल्कि वह है जो किसी की नींद न छीने, किसी पशु को भयभीत न करे, किसी पक्षी को अपना आशियाना छोड़ने पर मजबूर न करे और किसी की साँसों में धुआँ न भरे। पटाखे तो फूटकर समाप्त हो जाएँगे, लेकिन सवाल हमारे सामने रह जाएगा-क्या हम सचमुच उत्सव मना रहे थे या अपनी असंवेदनशीलता का शक्ति-प्रदर्शन कर रहे थे?

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र

भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरुआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं।

देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण

फसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नज़र रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकर्ताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है।

सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकर्ताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं।

देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना

भारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)-2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी-2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी।

राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के पीछे की रणनीति

देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है। इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या-समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समाधान के विकास का भी समर्थन करता है। यह मिशन देश में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र स्थापित करना चाहता है।सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। एनएसएम एक बिल्ड दृष्टिकोण का अनुसरण करता है जिसमें स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए तीन समवर्ती चरण शामिल हैं असेंबली, विनिर्माण और डिजाइन एवं विनिर्माण समर्थन। यह दृष्टिकोण स्वदेशी क्षमताओं के विकास के साथ कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को जोड़ता है। नियमित कंप्यूटरों के विपरीत, सुपर कंप्यूटर को बहुत उच्च गति पर बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें कई प्रोसेसर या कंप्यूटिंग नोड्स का उपयोग किया जाता है जो एक साथ काम करते हैं।



मेष राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही, लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज आपको अपने करियर में गुरु का सहयोग प्राप्त होगा, आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आपका कॉन्फिडेंस आपको सक्सेस दिलाएगा।

वृष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो आज का दिन आपकी आशाओं को पूरा करेगा। आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं और अच्छे मौसम का लुत्फ भी उठाएंगे।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। इस राशि के लोगों का जीवनसाथी के साथ रिश्ता मधुर बनेगा, साथ ही रात को डिनर के लिए किसी अच्छे रेस्टोरेंट में भी जाएंगे। किसी काम में भाई-बहन से पूरा सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों से पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के जो लोग रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। यात्रा के कारण आप थोड़ा थकान महसूस कर सकते हैं, लेकिन शाम तक अच्छा महसूस करेंगे। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्तों के बीच मिठास आएगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन सामान्य बना रहेगा। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, वे किसी सामाजिक कार्यक्रम में जा सकते हैं और वहां आपकी बातों पर सबका ध्यान केंद्रित होगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। बुजुर्गों का प्रेम और आशीर्वाद मिलेगा। आपका मन प्रसन्न रहेगा। बाहरी यात्राओं का दौर रहेगा और यह यात्रा सुखद भी रहेगी। अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगाएंगे। घर में सुखद वातावरण रहेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना पूरी होगी। परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ रिजल्ट मिलेंगे। अच्छे कॉलेज में एडमिशन पाएंगे। आगे चलकर नए सुनहरे अवसर मिलने की संभावना बढ़ेगी।

तुला राशि: आज आप काफी ऊर्जावान रहेंगे। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में लाभ करा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति कुछ बाधाओं के चलते थोड़े दिन के लिए अटक सकती है, बस आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन परिवार वालों के साथ गुजरेगा। इस राशि के छात्रों को परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त होंगे। दोस्तों के साथ टाइम स्पेंड करने की संभावना बन रही है। व्यापारिक यात्रा फायदेमंद साबित हो सकती है। बच्चों से संबंधित चिंता दूर होगी। धर्म के प्रति आपकी विशेष रुचि रहेगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

धनु राशि: आज आपके व्यवहार से दूसरे लोग प्रसन्न रहेंगे। दांपत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा। परिवार के साथ हंसी-खुशी के पल बिताएंगे। वैवाहिक जीवन में समरसता बढ़ेगी। घरेलू उत्तरदायित्व बखूबी निभाएंगे। मित्रों के साथ मनोरंजक यात्रा हो सकती है।

मकर राशि:आज ऑफिस में लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, उनका पढ़ाई में मन लगेगा। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। बेहतर होगा जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

कुंभ राशि: आज आपका रुझान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक पंडाल में जाने की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर से तरोताजा करने का दिन है। परिवार और मित्रों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। विवाहित लोग अपने जीवनसाथी को खुश करने का प्लान जरूर बनाएंगे।

मीन राशि:आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाकर रखें, किसी के मामले में न पड़ें। आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ प्रेम बढ़ेगा। लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे।

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

-छत्तीसगढ़ सरकार की आर्थिक सहायता से घरेलू खर्च के साथ बेटियों की पढ़ाई और भविष्य के लिए बचत कर रही महिलाएं

धनंजय राठौर

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी।

यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है। इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं-बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है।

दंतेवाड़ा जिले के बोडरी गांव की प्रमिला पोतामी के लिए बेटी की पढ़ाई के लिए बचत करना पहले आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित मासिक सहायता ने उनके लिए बचत की राह खोली है। प्रमिला कहती हैं, हमारी आमदनी इतनी नहीं है कि कुछ बचाकर रख सकें। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बड़ी मददगार है। इस राशि का कुछ हिस्सा मैं सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं जो आगे चलकर बेटी की पढ़ाई में काम आएंगे। दक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के पर्री गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी-बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है। वहीं, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नारी, शान हैं हमारी..

सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर 2026 को योजना की 32 वीं किस्त के रूप में 67 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में डी बी टी के माध्यम से 632.40 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। अब तक 20,708 करोड़ से अधिक की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माता-बहनों को प्रदान की जा चुकी है। महतारी वंदन योजना से रायपुर जिले के 5 लाख 13 हजार 534 हितग्राही, बिलासपुर जिले के 4 लाख 11 हजार 310 हितग्राही, दुर्ग के 3 लाख 89 हजार 507 हितग्राही, बलौदाबाजार-भाटापारा के 3 लाख 19 हजार 815 हितग्राही और महासमुंद जिले के 3 लाख 12 हजार 162 हितग्राहियों के खातों में डी बी टी के माध्यम से सुशासन की सरकार राशि अंतरित कर माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है। वर्ष 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत का अवसर देती है। इसके माध्यम से मां-बाप बेटियों की शिक्षा और विवाह जैसी भविष्य की जरूरतों के लिए धन जमा कर सकते हैं। इन महिलाओं के अनुभव बताते हैं कि नियमित आर्थिक सहायता से बेटियों की शिक्षा और भविष्य के लिए योजनाबद्ध बचत की शुरुआत करना संभव हो रहा है।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर हैं

K K

राष्ट्रीय समाचार



बुधवार 04 नवम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

दीपोत्सव में जाति नहीं, सहभागिता है पहचान; गरीब परिवारों को धुएं वाले चूल्हे पर लौटने नहीं देगी सरकार : सीएम योगी



लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि जाति की जड़ता समाज को बांटती है, जबकि साझी आस्था और संस्कृति उसे एक सूत्र में पिरोती हैं। उन्होंने कहा कि राम नगरी अयोध्या का दीपोत्सव समाज को जोड़ने और समरसता का संदेश देने वाला आयोजन बन चुका है। वहीं, दीपावली के अवसर पर प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी देने की घोषणा को गरीब परिवारों और मातृशक्ति के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा कि वर्ष 2017 से पहले जातीय विभाजन को राजनीति का आधार बनाने वाली सरकारों ने समाज को जोड़ने वाली इस सांस्कृतिक शक्ति की पूर्णत: उपेक्षा की। डबल इंजन सरकार ने वर्ष 2017 में दीपोत्सव की शुरुआत कर इस सोच को बदला और राम नगरी की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन के उत्सव में बदल दिया।

प्रयागराज में कड़ी सुरक्षा के बीच एसटीईटी परीक्षा, दो पालियों में हो रही आयोजित

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मंगलवार को स्पेशल शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी प्रयागराज के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी, नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रयागराज के सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिसकर्मी मुस्तैद नजर आए। परीक्षा केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की निगरानी में व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को परीक्षा देने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने कहा कि सरकार और प्रशासन की तरफ से परीक्षा को लेकर अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी अभ्यर्थी पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने पहुंचे हैं। यहां व्यवस्था अच्छी है, परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। हम लोग सुबह ही परीक्षा केंद्रों पर आ गए है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक है, उसके बाद दूसरी पाली में होगी। सभी लोगों की जांच के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जा रहा है।यूपी स्पेशल टीईटी 2026 परीक्षा में शामिल हो रहे एक अभ्यर्थी ने कहा कि यह स्पेशल टीईटी परीक्षा है, जिसमें केवल सेवारत शिक्षक ही शामिल हो रहे हैं। यह परीक्षा आयोग द्वारा आयोजित की जा रही है और मंडल स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।बता दें कि स्पेशल शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन प्रदेश के छह मंडल मुख्यालयों आगरा, गोरखपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज और वाराणसी में किया जा रहा है। परीक्षा के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कुल 131 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर अभ्यर्थियों की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

आज के बदलते समय में टेक्नोलॉजी युद्ध का अभिन्न अंग है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के बदलते समय में तकनीक युद्ध का अभिन्न अंग है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से नई-नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। नए हथियारों, मिसाइलों और प्रणालियों का परीक्षण हो रहा है। इसके साथ ही सरकार ने निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है और उसे समान अवसर उपलब्ध कराए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। राजनाथ सिंह ने कहा कि तीनों सेनाओं ने अपनी संरचनाओं और सैन्य गठन में लगातार सुधार और बदलाव किए हैं। उदाहरण के तौर पर, भारतीय सेना में असनी, भैरव और शक्तिबाण प्लाटून जैसी नई सैन्य टुकड़ियां आज की परिचालन संबंधी जरूरतों और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काफी उपयोगी साबित हो रही हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से लेकर बड़ी कंपनियां तक आज रक्षा क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल आधुनिक उपकरण हासिल करना नहीं, बल्कि एक ऐसा रक्षा तंत्र तैयार करना है, जिसमें हमारी सेनाओं की जरूरतों के अनुरूप तकनीक का विकास हो, भारतीय उद्योग की भागीदारी बढ़े और देश की रणनीतिक निर्भरता कम हो।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए सरकार लगातार रक्षा बजट बढ़ा रही है। वित्त वर्ष 2026-27 में देश का कुल रक्षा बजट बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सैन्य उपकरणों के आधुनिकीकरण और खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार का जोर सेनाओं की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ भारतीय उद्योग और देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने पर भी है।उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने आधुनिकीकरण के बजट

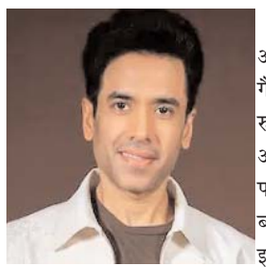


में साल-दर-साल बढ़ोतरी की है और इसका खर्च भी किया है। सरकार सेनाओं की जरूरतों के लिए प्रतिबद्ध है। सेनाएं सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं और बजट का बेहतर इस्तेमाल भी करती हैं। राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका असर देश के रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात में भी दिखाई दे रहा है। वित्त वर्ष 2014-15 में भारत का रक्षा उत्पादन 46,429 करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर रिकॉर्ड 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपए हो गया है। इसी तरह, वर्ष 2014 में देश का रक्षा निर्यात 2,000 करोड़ रुपए से भी कम था, जो अब बढ़कर लगभग 40 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में सरकार और निजी उद्योगों की साझा भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह पूरे देश के सामूहिक प्रयास का विषय है। उन्होंने कहा, यह एक होल ऑफ द नेशन अप्रोच है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब मुझे सरकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कार्यक्रमों में भी बराबर जाने का अवसर मिलता है और उनका काम देखकर दिल खुश होता है, गौरव की अनुभूति होती है।

5 नवंबर को अमित शाह करेंगे 1857 के शहीद स्मारक का लोकार्पण, अनिल विज ने लिया तैयारियों का जायजा

अंबाला, (आरएनएस)। अंबाला छावनी में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक के 5 नवम्बर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा उद्घाटन को लेकर अम्बाला जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में शहीद स्मारक में बैठक हुई जिसमें सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव के. मकरंद पांडुरंग के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने शहीदी स्मारक का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी व अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इससे पहले आयुक्त एवं सचिव के मकरंद पांडुरंग ने शहीदी स्मारक के उद्घाटन से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 5 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने तथा उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

अभिनेता तुषार कपूर से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली धमकी



मुंबई, (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कथित तौर पर अभिनेता को फोन करने वाले ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए हैरी बॉक्सर के नाम का इस्तेमाल किया। धमकी मिलने के बाद तुषार कपूर ने बिना देरी किए मुंबई पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हालांकि, शुरुआती जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। पुलिस ने धमकी भरे कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का मिलान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से कराया, लेकिन दोनों आवाजों में समानता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को आशंका है कि किसी शरारती तत्व ने गैंग के नाम का इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने और उनसे रंगदारी वसूलने की कोशिश की है।मिली जानकारी के अनुसार, तुषार कपूर को आए कॉल में कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। फोन करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया और हैरी बॉक्सर का नाम लिया। धमकी मिलने के बाद अभिनेता ने पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया। मुंबई पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच एंटी एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी भरा कॉल कहां से किया गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवा का कहर, ग्रेप-2 लागू होने के बावजूद नहीं सुधरे हालात; जहांगीरपुरी में एक्यूआई 449

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण पर काबू पाने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का दूसरा चरण लागू कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद हवा की गुणवत्ता में सुधार नहीं हो रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 331 दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

दिल्ली के कई इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक बनी हुई है। जहांगीरपुरी में AQI 449 तक पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है। इसके अलावा रोहिणी, पंजाबी बाग, विवेक विहार और अलीपुर समेत कई इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर 400 के पार दर्ज किया गया है।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा प्रदूषण

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में दर्ज एक्यूआई के आंकड़े इस प्रकार हैं

नरेला : 406 रोहिणी : 429
जहांगीरपुरी : 449 पंजाबी बाग : 424
विवेक विहार : 410 अलीपुर : 413



बवाना : 403 ओखला फेज-2 : 352
मंदिर मार्ग : 368 मुंडका : 396
आईटीओ : 373

बता दें कि एक्यूआई का स्तर 0 से 50 तक अच्छा, 51 से 100 तक संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

नोएडा में भी हवा हुई जहरीली

दिल्ली के साथ-साथ नोएडा में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। मंगलवार को सेक्टर-62 में एक्यूआई 404 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, सेक्टर-39 में 365, सेक्टर-150 में 343 और सेक्टर-116 में 272 एक्यूआई दर्ज किया गया। इससे साफ है कि एनसीआर के कई इलाकों में लोगों को प्रदूषित हवा से राहत नहीं मिल रही है।

ग्रेप 2 में इन गतिविधियों पर रहेगी सख्ती

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए ग्रेप के दूसरे चरण के तहत सरकारी एजेंसियां निगरानी और कार्रवाई तेज करेंगी। इसके तहत सड़कों की रोजाना मैकेनिकल और वैक्यूम स्वीपिंग की जाएगी। धूल को नियंत्रित करने के लिए पानी के साथ डस्ट सप्रेसेंट का छिड़काव किया जाएगा।

प्रदूषण के हॉटस्पॉट वाले इलाकों में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इसके अलावा निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण बढ़ाया जाएगा।

निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करने के उद्देश्य से पार्किंग शुल्क बढ़ाने का प्रावधान भी किया गया है। लोगों को सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। वहीं, जिन कार्यालयों में काम की प्रकृति इसकी अनुमति देती है, वहां कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।



नई दिल्ली में कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में बनने वाले जहरीले झाग को नियंत्रित करने के लिए, बाढ़ विभाग के अधिकारियों ने उस पर रसायन का छिड़काव किया।

हरियाणा की प्रगति और जनता की खुशहाली हमारी साझा मंजिल : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की राजनीतिक राहें और विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हरियाणा की प्रगति और प्रदेश के लोगों की खुशहाली सभी की साझा मंजिल है। हम सभी की पहचान इस बात से है कि हम हरियाणा की जनता के प्रतिनिधि हैं। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा द्वारा संविधान पखवाड़े के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हीरक जयंती के इस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति से इसकी गरिमा बढ़ी है और संसदीय प्रक्रियाओं, सदन की मर्यादा तथा जनप्रतिनिधियों के दायित्वों पर उनका मार्गदर्शन सभी के लिए मूल्यवान है। उन्होंने कहा कि हीरक जयंती समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने पधार कर हरियाणा की जनता को अपना आर्शीवाद दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की 60 वर्षों की विकास यात्रा केवल सड़कों, संस्थानों और उद्योगों के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि इसमें किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की मेहनत भी शामिल है।

धीरेंद्र शास्त्री की कृष्ण पर टिप्पणी से सियासी बवाल; अखिलेश से लेकर तेजस्वी तक ने घेरा, माफी के बाद भी जारी है विवाद

नई दिल्ली, (आरएनएस) । मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में श्री राम कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना को लेकर दिए गए बयान पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भगवान कृष्ण के स्वरूप, उनके खड़े होने और टेढ़े होने को लेकर की गई टिप्पणी के बाद विपक्षी नेताओं ने उन्हें जमकर घेरा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, मानवीय भूलों के लिए तो क्षमा किया जा सकता है, ईशनिंदा के लिए कभी नहीं। ऐसे दुष्मुखी लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना ही समाज के लिए श्रेयस्कर है। पूरे देश में इनके सभी कार्यक्रम रद्द किये जाएं, नई अनुमति नहीं दी जाए और सार्वजनिक जीवन में हर सच्चा सनातनी इनका पूर्ण बहिष्कार करे, यही इनके अक्षम्य पाप का दंड होना चाहिए, नहीं तो वो भी ईशनिंदा के पाप का भागी बनकर अपना लोक-परलोक बिगाड़ लेगा। उन्होंने लिखा, अगर दुर्भावना से भरा ऐसा व्यक्ति जीवन भर भी एकांतवास करके अपने किये का पश्चाताप और प्रायश्चित करेगा तो भी कोई भी धर्म प्रधान आस्थावान उसे माफ नहीं करेगा। मनुष्य का दंभ इतना भी नहीं होना चाहिए कि वो अपने को ईश्वर से ऊपर समझने लगे। वैधानिक कार्रवाई हो।

शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी एक्स पोस्ट में लिखा, यह बिल्कुल बेतुकी बात है। संत सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के बीच का संवाद, दरअसल, एक ही भगवान विष्णु के अलग-अलग स्वरूपों के प्रति भक्ति का संवाद था। एक अवतार ने वृंदावन के माधुर्य भाव का उत्सव मनाया, तो दूसरे ने अयोध्या की मर्यादा का। उनके बीच का यह विनोद कभी किसी को दूसरे से श्रेष्ठ बताने का माध्यम नहीं बना। यह दर्शाता था कि धनुष और बांसुरी एक ही दिव्य सत्ता के दो अभिन्न रूप हैं। उन्होंने कहा, धीरेंद्र शास्त्री ने ब्रह्मांडीय और दिव्य लीलाओं को घटाकर उसे सामान्य कार्य बता दिया, जिसे कोई भी व्यक्ति कर सकता है। पवित्र त्रिभंगी मुद्रा को टेढ़ापन कहना, उसके गहन आध्यात्मिक सौंदर्य और भाव को छीन लेने जैसा है। महज सनसनी पैदा करने या अपनी बात को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के लिए किसी पवित्र स्वरूप की गरिमा को कमतर नहीं किया जा सकता। कृपया ऐसी बेतुकी बातों का बचाव करना बंद कीजिए।राजद नेता तेजस्वी यादव ने लिखा, लोक एकता की कनिष्ठ अंगुली से इंद्रासन को हिला देने वाले लोकनायक, धार्मिक सीमाओं से परे जन जन के पूज्य, हमारे कुलदेवता भगवान श्री कृष्ण पर सत्ता-पोषित एक मानसिक विक्षिप्त द्वारा की गई टिप्पणी अशोभनीय, अक्षम्य एवं अमर्यादित है।उन्होंने आगे लिखा, राम और कृष्ण एक दूसरे के पूरक हैं। यह नफरती लोग पहले इंसान को बांटते थे, अब भगवान को बांटने लगे। राजनीतिक लोभ में और कितना नीचे गिरेंगे? लोक समता और सनातनी एकता को खंडित करने वाले इस शिखंडी के संरक्षक मोदी जी और तमाम भाजपा नेताओं को सामने आकर देश से, समाज से और सनातनियों से दंडवत होकर माफी मांगनी चाहिए।

समुद्री ताकत में बड़ा इजाफा : नौसेना को मिलेंगे 8 अत्याधुनिक युद्धपोत, रक्षा मंत्रालय ने 53,866 करोड़ रुपए में किया ऐतिहासिक करार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए देश में आठ अत्याधुनिक अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोत बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने इन युद्धपोतों के निर्माण और खरीद के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ कुल 53,866.50 करोड़ रुपए के करार किए हैं।

नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इन अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोतों में आधुनिक मिसाइलों, हथियारों और सेंसर प्रणालियों से लैस अत्याधुनिक क्षमताएं होंगी। इनकी मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद खतरों से निपट सकेगी। इन युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से उसकी अभियान क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। ये समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, दुश्मन के युद्धपोतों को निशाना बनाने और पनडुब्बियों का पता लगाकर उनसे मुकाबला करने जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में भूमिका निभाएंगे।

इसके अलावा ये युद्धपोत तटीय सुरक्षा मजबूत करने, समुद्र के किनारे उथले इलाकों में सैन्य अभियान चलाने और समुद्री क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने में भी मदद करेंगे। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्र में मौजूदगी और निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के



जरिए निर्माण कंपनियों का चयन किया गया है। यह पहली ऐसी परियोजना है, जिसमें भारतीय नौसेना के स्वदेशी डिजाइन पर आधारित युद्धपोतों का निर्माण रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा। वहीं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारतीय नौसेना के लिए तीन युद्धपोत बनाएगा। खास बात यह है कि इन सभी युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी। इनका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम करेंगे। इस परियोजना का फायदा केवल नौसेना की युद्धक क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे देश के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना में रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भी भागीदारी होगी। इससे देश में जहाज निर्माण से जुड़े उद्योगों के बीच सहयोग और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अगले 10 वर्षों में इस परियोजना से रोजगार के बड़े अवसर पैदा होने की उम्मीद है। युद्धपोतों के निर्माण से शिपयार्ड में लगभग 72 लाख 'पर्सन-डे' का रोजगार मिलेगा, जबकि सहायक उद्योगों और एमएसएमई क्षेत्र में करीब 460 72 लाख 'पर्सन-डे' के रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इस तरह पूरी परियोजना से लाखों 'पर्सन-डे' का रोजगार सृजित होने का अनुमान है। परियोजना में भारत में बने उपकरणों और सामग्री, स्वदेशी तकनीक तथा देश के कुशल मानव संसाधन का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे रक्षा उत्पादन में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। आठ नए कॉर्वेट का निर्माण भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने के साथ-साथ युद्धपोत डिजाइन और निर्माण के क्षेत्र में भारत की स्वदेशी क्षमता का भी बड़ा उदाहरण बनेगा। यह रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलीकॉप्टर टकराए, एक भारतीय नागरिक की मौत



काठमाण्डू,(आरएनएस)। नेपाल में सुबह बड़ा हादसा हो गया है। सोलुखुम्बु हेलीपैड पर उतरते समय 2 हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि लैंडिंग के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों आपस में टकरा गए। इस घटना में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घायल व्यक्ति को इलाज के लिए एक अन्य हेलीकॉप्टर के जरिए लुकला ले जाया गया है। वहीं, मृतक की पहचान अभी नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिला पुलिस कार्यालय ने बताया कि ये हेलीकॉप्टर एयर डायनेस्टी और फिशटेल एयर द्वारा संचालित किए जा रहे थे। सुबह करीब 8:11 बजे दोनों एक दूसरे से टकरा गए।अधिकारियों ने बताया कि घटना में फिशटेल एयर के एक यात्री की मौत हो गई है और पायलट घायल हो गए हैं। सोलुखुम्बु के पुलिस प्रमुख मौसम तमांग ने बताया कि हादसे के बाद बचाव और राहत का काम जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर को कैप्टन प्रज्वल केसी उड़ा रहे थे, जबकि एयर डायनेस्टी के हेलीकॉप्टर की कमान कैप्टन रबिंद्र प्रजापति के पास थी। कैप्टन प्रजापति घायल हो गए हैं, जबकि मारे गए विदेशी पर्यटक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।अधिकारियों ने बताया कि सिमरिक एयर का एक हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंच गया है और बचाव अभियान जारी है। वहीं, घटना की जांच शुरू की जा रही है।

अमेरिका का ईरान के केशम द्वीप पर हमला, पांच जोरदार धमाकों से मची हलचल

-होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना, अमेरिकी अधिकारी बोले- हमले रक्षात्मक थे; ईरान ने दो अमेरिकी टोही विमानों को पकड़ने और एक ड्रोन गिराने का किया दावा

तेहरान/वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित केशम द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सोमवार देर रात केशम द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा पास के बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट होने की खबर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ये हमले गुप्त रूप से किए। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार देर रात केशम द्वीप पर एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित द्वीप के ऊपर दो विमानों को उड़ते हुए देखा था। वहीं, बंदरगाह शहर बंदर लेंगेह में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई खबरों में इन हमलों के पीछे अमेरिकी सेना का हाथ बताया गया है।

अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी ठिकानों पर किए गए हमले रक्षात्मक प्रकृति के थे। इनका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने की ईरान की क्षमता को सीमित करना था। अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी संपत्तियों के



खिलाफ सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल करने वाले ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, सोमवार को इससे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने एक अमेरिकी विमान पर गोलीबारी की थी। इसके जवाब में अमेरिकी सेना ने कार्रवाई की। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह घटना ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों का विस्तार करने की शुरुआत नहीं है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बीच ईरान के साथ संभावित युद्ध को लेकर कहा कि तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है। प्रति बैरल तेल की कीमत में करीब 10 डॉलर की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि लोगों को लगता है कि ईरान के साथ युद्ध नहीं होगा और ईरान जल्द से जल्द समझौता करना चाहता है। वाशिंगटन में पत्रकारों ने जब ट्रंप से पूछा कि क्या मध्यावधि चुनाव के बाद अमेरिका ईरान पर फिर से हमला करेगा, तो उन्होंने इससे इनकार किया। हालांकि, क्षेत्र में जारी सैन्य गतिविधियों के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

दूसरी ओर, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का इस्तेमाल कर केशम द्वीप के दक्षिण में दो अमेरिकी टोही विमानों को अपने कब्जे में लिया है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में एक एमक्यू-9 रीपर मानवरहित विमान को नष्ट करने का भी दावा किया गया है।

ईरानी सेना के अनुसार, इन विमानों को फारस की खाड़ी के तट और केशम द्वीप के ऊपर ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों की जानकारी जुटाने के लिए तैनात किया गया था। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने दो टोही विमानों को कब्जे में लेने के ईरानी दावे को गलत बताया है। अमेरिकी सेना की ओर से इन घटनाओं पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। यहां किसी भी तरह का सैन्य टकराव अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में केशम द्वीप पर अमेरिकी हमले और ईरान के जवाबी दावों ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियों के साथ कूटनीतिक स्तर पर समझौते की संभावनाएं भी बनी हुई हैं।

दीपावली से पहले काठमांडू में प्लास्टिक के फूल और माला बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध

काठमांडू, (आरएनएस)। नजदीक आ रहे दीपावली पर्व को देखते हुए काठमांडू महानगरपालिका ने अपने क्षेत्र में प्लास्टिक से बने फूलों, फूलों की मालाओं और सजावट के विभिन्न सामानों की बिक्री एवं वितरण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। महानगरपालिका ने सभी व्यवसायियों, व्यापारियों और आम लोगों से फूलों और मालाओं के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने की अपील की है। काठमांडू महानगरपालिका के नगर कार्यपालिका कार्यालय के अंतर्गत आने वाले महानगर पुलिस बल ने एक सूचना जारी कर चेतावनी दी है कि प्रतिबंध की अवहेलना कर यदि कोई प्लास्टिक से बने या निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले फूल, मालाएं और सजावट के सामान बेचते हुए पाया गया, तो उन सभी सामग्रियों को जब्त कर लिया जाएगा।महानगर पुलिस बल ने नेपाली किसानों के उत्पादित फूल-मालाओं को उचित बाजार उपलब्ध कराने तथा आम लोगों को आसानी से खरीदारी की सुविधा देने के उद्देश्य से संबंधित निकायों के समन्वय में बिक्री के लिए विभिन्न स्थान निर्धारित किए हैं।

यूक्रेन के सहायता केंद्र पर रूस का भीषण हमला, 26 लोगों की मौत; 27 लापता, अबू धाबी में होगी शांति वार्ता



कीव, (आरएनएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच एक बार फिर बड़ा हमला हुआ है. यूक्रेन के जापोरिज्जिया इलाके में रूसी सेना ने एक सहायता केंद्र को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई. हमले के वक्त वहां स्थानीय लोग राहत सामग्री लेने के लिए इकट्ठा हुए थे. मृतकों में बचाव दल के दो सदस्य और चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. वहीं, 27 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं. इस बीच अमेरिका ने युद्ध खत्म करने की कोशिशों के तहत रूस और यूक्रेन के बीच 10 और 11 नवंबर को अबू धाबी में नई शांति वार्ता कराने की घोषणा की है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि जापोरिज्जिया के कोमिशुवाखा गांव के एक स्कूल में सहायता केंद्र बनाया गया था. गांव युद्ध के मोर्चे के काफी करीब है, इसलिए स्कूल में पढ़ाई बंद कर दी गई थी. इसके बाद इस जगह का इस्तेमाल लोगों को शरण देने और राहत सामग्री बांटने के लिए किया जा रहा था।

यहां हर सोमवार को गांव के लोग सहायता पैकेज लेने के लिए इकट्ठा होते थे. जेलेंस्की के मुताबिक, रूसी सेना ने लोगों के पहुंचने के समय पहला हवाई हमला किया. इसके बाद दूसरा हमला शेल्टर पर किया गया. उन्होंने इस हमले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि यह इस बात का एक और सबूत है कि रूस युद्ध में तनाव कम करने या वास्तविक शांति की दिशा में कदम उठाने के लिए तैयार नहीं है।

अमेरिका के परमाणु हमले के दावे से डरा ईरान, खतरे के बीच जारी की एडवाइजरी

तेहरान,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच संभावित परमाणु हमले को लेकर ईरान में चिंता बढ़ गई है। इसी आशंका के मद्देनजर ईरानी अधिकारियों ने नागरिकों के लिए परमाणु विस्फोट से बचाव संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ड्डञ्चह्व ने 29 अक्टूबर को आठ मिनट का एक जागरूकता वीडियो जारी किया, जिसमें परमाणु विस्फोट होने की स्थिति में लोगों को अपनी जान बचाने और रेडियोधर्मी प्रदूषण से सुरक्षित रहने के तरीके बताए गए हैं।जारी एडवाइजरी में लोगों को मजबूत इमारतों के बेसमेंट या अंदरूनी कमरों में शरण लेने, खिड़कियों से दूर रहने और बाहर की हवा अंदर खींचने वाले एयर कंडीशनर तथा वेंटिलेशन सिस्टम बंद करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने चेताया है कि परमाणु विस्फोट के बाद हवा में फैलने वाले रेडियोधर्मी कण दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच सकते हैं। ऐसे में विस्फोट वाली जगह से काफी दूर रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

मनोरंजन

फातिमा सना शेख का सिजलिंग एथनिक लुक वायरल, सिल्क साड़ी में ढाया कहर



बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा फातिमा सना शेख अपनी शानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में फातिमा ने इंस्टाग्राम पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद ही दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया का पारा चढ़ा दिया है। पारंपरिक भारतीय परिधान साड़ी को जिस आत्मविश्वास, सिज़लिंग अंदाज़ और आधुनिकता के साथ फातिमा ने कैरी किया है, वह देखने लायक है। तस्वीरों में फातिमा सना शेख पिस्ता ग्रीन रंग की बेहद खूबसूरत सिल्क साड़ी में नजर आ रही हैं। साड़ी पर बारीक गोल्ड ज़री, सेक्विन वर्क और एथनिक फ्लोरल मोटिफ्स की एम्ब्रॉयडरी की गई है। साड़ी को एक ग्लैमरस ट्विस्ट देने के लिए फातिमा ने इसके साथ गहरे मैरून और गोल्डन ज़री की सघन एम्ब्रॉयडरी वाला स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया है। इस ब्लाउज की डीप प्लंजिंग स्वीटहार्ट नेकलाइन और कट-वर्क डिज़ाइन उनके एथनिक लुक में बोल्डनेस और हॉटनेस का तड़का लगा रहा है। किसी तस्वीर में फातिमा कैमरे की ओर साइड-प्रोफाइल दिखाते हुए अपनी टोन्ड बैक और बैकलेस ब्लाउज की खूबसूरती को फ्लॉन्ट कर रही हैं। तो किसी तस्वीर में वह अपनी झुकी हुई निगाहों और उंगलियों से बालों को संवारते हुए क्लोज़-अप पोज़ दे रही हैं। फातिमा ने अपने इस एथनिक ग्लैमरस लुक को पूरा करने के लिए मिनिमल लेकिन बेहद प्रभावशाली मेकअप का चुनाव किया है। बालों के लिए उन्होंने मिडल-पार्टेड सॉफ्ट ओपन वेव्स हेयरस्टाइल चुना है, जो उनके कंधों पर बहते हुए उनके लुक को एक रॉयल और ड्रीमी वाइब दे रहा है।

आलिया भट्ट ने छठी क्लास में शुरू कर दी थी डेटिंग, कॉफी विद करण पर सुनाया था वाकया

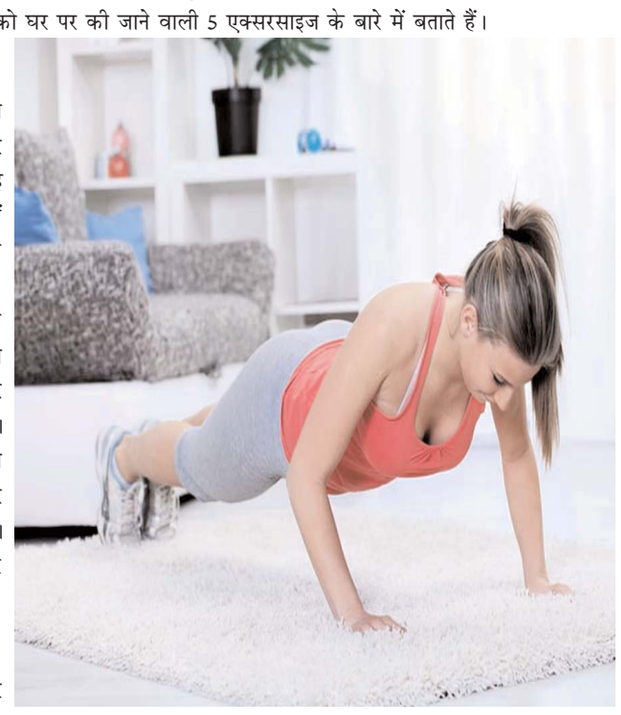
एक्ट्रेस आलिया भट्ट पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण में कई बार आ चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने इस चैट शो में 2013 में अपने स्टूडेंट ऑफ द ईयर के को-स्टार्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन के साथ डेब्यू किया था। इस एंटरटेनिंग एपिसोड के दौरान, आलिया ने होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर समेत सभी को चौंका दिया, क्योंकि उन्होंने बताया कि उन्होंने क्लास 6 में डेटिंग शुरू कर दी थी।

करण ने कहा कि वरुण ने उन्हें बताया कि आलिया के बचपन में कई यंग बॉयफ्रेंड थे।

हालांकि, इस पर मजाकिया अंदाज में आपत्ति जताते हुए आलिया ने कहा, मैं इसे कोई सिलसिला नहीं कहूंगी, लेकिन मेरे (बॉयफ्रेंड) और सीरियस रिलेशनशिप थे, जैसे दो साल, (फिर) दो साल। करण ने इस बात पर हैरानी जताई कि आलिया 17 साल की उम्र तक दो सीरियस रिलेशनशिप में रह चुकी थीं।

जिम जाने का नहीं है समय? घर पर ही करें ये 5 एक्सरसाइज

आजकल जिम जाना हर किसी को पसंद है। इससे न केवल फिटनेस को लेकर आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि कई लोग तो इसका हिस्सा बनकर खुद को फिट और स्वस्थ रखने की प्रेरणा भी लेते हैं। हालांकि, अगर किसी कारण से आप जिम नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर भी कुछ ऐसी एक्सरसाइज हैं, जिन्हें आप आसानी से अपना सकते हैं। आइए आज हम आपको घर पर की जाने वाली 5 एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं।



पुश अप्स

पुश अप्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसे आप घर पर आसानी से कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपके सीने, कंधों और बाजुओं को मजबूत बनाने में मदद करती है।

इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं, फिर हाथों को जमीन पर रखकर शरीर को सीधा रखें। अब धीरे-धीरे अपने शरीर को नीचे की ओर ले जाएं, फिर वापस ऊपर की ओर धक्का मारें। इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स आपके पैरों और निचले शरीर के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, फिर घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जैसे कि कुर्सी पर बैठने वाली हों।

इस स्थिति में आने के बाद धीरे-धीरे नीचे की ओर झुकते हुए वापस खड़े हो जाएं। यह एक्सरसाइज आपके पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देती है और उन्हें टोन करती है।इसके अलावा यह आपकी पीठ को भी सहारा देती है।

प्लैंक

प्लैंक एक बहुत ही असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को मजबूती देती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेट जाएं, फिर अपने दोनों हाथों को कंधे की सीध में रखकर अपने पंजों पर वजन डालें।इस स्थिति में अपने शरीर को सीधा रखें और 30 सेकंड से एक मिनट तक इसी अवस्था में रहें। प्लैंक करने से आपकी पीठ, पेट और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

लंजेस

लंजेस आपके पैरों और नितंबों के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े होकर एक पैर को आगे की ओर बढ़ाएं और दूसरे पैर को पीछे की ओर रखें।अब घुटनों को मोड़ते हुए इस स्थिति में आएं, जैसे कि आप बैठ रहे हों। इस अवस्था में कुछ सेकंड रहें, फिर पहले पैर को पीछे ले जाएं और दूसरे पैर को आगे लाएं। यह प्रक्रिया दोनों पैरों से बार-बार दोहराएं।

बर्पीज

बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर खड़े होकर झुकें और हाथ जमीन पर रखें, फिर दोनों पैरों को पीछे की ओर ले जाएं।अब छाती को जमीन से लगाएं और वापस ऊपर आएं, फिर कूदते हुए खड़े हो जाएं। यह प्रक्रिया बार-बार दोहराएं।इन सभी एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करके आप बिना किसी जिम के भी फिट रह सकते हैं।

सर्दियों में भारतीय पारंपरिक कपड़े पहनने वाली महिलाएं इन 5 तरीकों से करें लेयरिंग



सर्दियों में भारतीय पारंपरिक कपड़े पहनने वाली महिलाएं अक्सर ठंड से बचने के लिए कई परतें पहनती हैं। हालांकि, सही तरीके से लेयरिंग न करने पर यह देखने में अच्छा नहीं लगता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप सर्दियों में भी स्टाइलिश और आरामदायक रह सकती हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने पारंपरिक लुक को और भी खास बना सकती हैं और ठंड से भी बच सकती हैं।

कुर्ता और कोट का मेल

सर्दियों में कुर्ता पहनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए आप एक सुंदर कोट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आप प्रिंटेड कुर्ता पहन रही हैं तो सादे रंग का कोट चुनें। वहीं, अगर आपका कुर्ता सादे रंग का है तो प्रिंटेड कोट बेहतर रहेगा।इससे न केवल आपका लुक बेहद खास लगेगा, बल्कि ठंड से भी अच्छी तरह बचाव हो जाएगा।

साड़ी के साथ शॉल पहनें

साड़ी के साथ शॉल पहनना एक शानदार तरीका है, जिससे आप ठंड से बच सकती हैं और स्टाइलिश भी दिख सकती हैं।शॉल को आप अपने कंधों पर डाल सकती हैं या इसे अपनी साड़ी के पल्लू की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं।यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। अलग-अलग रंगों और डिजाइनों की शॉल चुनकर आप अपने साड़ी लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं।

अनारकली सूट और जैकेट का मेल

अनारकली सूट हमेशा से ही पारंपरिक और आकर्षक रहा है। सर्दियों में इसे और भी खास बनाने के लिए आप एक सुंदर जैकेट का इस्तेमाल कर सकती हैं।जैकेट न केवल आपको गर्म रखेगी, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगी। आप अलग-अलग रंगों और डिजाइनों की जैकेट चुन सकती हैं, ताकि आपका अनारकली सूट और जैकेट का मेल शानदार लगे।इस तरह से आप ठंड से बचते हुए भी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

लहंगा-चोली के साथ कुर्ता पहनें

लहंगा-चोली हमेशा से ही शादी-ब्याह जैसे खास मौकों पर पहना जाता रहा है, लेकिन सर्दियों में इसे पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप लहंगा-चोली के नीचे एक लंबा कुर्ता पहन सकती हैं।यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। इसके साथ ही आप हल्के गहनों का इस्तेमाल करके अपने लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं। आप कुर्ते के अंदर स्वेटर आदि पहन सकती हैं।

धोती-पैंट और लंबे कोट का मेल

धोती-पैंट आजकल बहुत चलन में हैं और इन्हें सर्दियों में पहनना सुरक्षित रहता है। धोती-पैंट के ऊपर एक लंबा कोट पहनें, ताकि आपका पूरा शरीर ढका रहे।

इसके साथ हल्के गहने पहनें, ताकि आपका लुक बहुत बनावटी न लगे। इन सभी तरीकों से आप न केवल ठंड से बच सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकती हैं।

सही कपड़ों का चयन करके आप हर मौसम में खास दिख सकती हैं।



(रायपुर) मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने की सौजन्य मुलाकात।

रिहायशी इलाके में पहुंचा मगरमच्छ का बच्चा: बड़े मगरमच्छ की मौजूदगी की आशंका से मची दहशत

कोरबा,(आरएनएस)। जिले के कुसमुंडा क्षेत्र के प्रेम नगर वार्ड क्रमांक 65 स्थित भैरोताल में मगरमच्छ का बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया। खोलार नाले से लगी रेलवे पटरियों के पास मगरमच्छ के बच्चे को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के पार्षद प्रेम साहू मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से मगरमच्छ के बच्चे को पकड़कर बोरे में बंद किया और वन विभाग को इसकी सूचना दी। पार्षद के इस कदम के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।पार्षद प्रेम साहू ने बताया कि इससे पहले भी रेलवे पटरी पर एक मगरमच्छ मृत अवस्था में मिला था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि कोई बड़ा मगरमच्छ भी आसपास मौजूद हो सकता है। लगातार मगरमच्छ दिखाई देने की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि खोलार नाला हसदेव नदी से जुड़ा हुआ है। इसी रास्ते मगरमच्छ रिहायशी इलाके तक पहुंच जाते हैं। कुछ दिन पहले भी क्षेत्र में एक मगरमच्छ मृत मिला था। अब मगरमच्छ का बच्चा मिलने के बाद लोगों में भय का माहौल है।

खेत बचाओ अभियान- ग्राम मुरता में कृषक जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान-रबी 2026 के अंतर्गत सोमवार को जिला बेमेतरा के नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुरता में कृषक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 37 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में संस्थान वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार वाशनिक एवं डॉ. आशीष मराठे ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को दी श्रद्धांजलि

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता एवं अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के जनप्रिय विधायक स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा जी को आज उनके पैतृक ग्राम भेंडरा (विकासखंड - गुंडरदेही) पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिंह ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन एवं भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी उपस्थित रहे।

रायपुर में चोरी और झपटमारी की वारदातें, सूने मकान से 7.50 लाख के जेवर-नकदी पार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में चोरी, झपटमारी और अवैध गतिविधियों के मामले सामने आए हैं। खमतराई थाना क्षेत्र के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात और पांच लाख रुपये नकद सहित कुल 7.50 लाख रुपये की संपत्ति पार कर दी। वहीं मुजगहन में मकान में घुसकर जेवरात, नकदी और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चोरी कर लिया गया। सरस्वती नगर में बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने महिला के हाथ से मोबाइल झपट लिया। खमतराई थाना क्षेत्र के शुक्रवार बाजार, बंजारी नगर, रावांभाठा निवासी सीताराम गुप्ता के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। अज्ञात आरोपी मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात तथा पांच लाख रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत करीब 7.50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज किया है। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के साइंस कॉलेज परिसर में एक नवंबर की रात करीब 11:15 बजे नसीम सिद्दीकी खाना खाने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए टहल रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात युवक पीछे से पहुंचे और उनके हाथ से मोटोरोला कंपनी का 15 हजार रुपये कीमत का मोबाइल झपटकर फरार हो गए। मुजगहन थाना क्षेत्र के शुभ विहार, कंदुल में पोषण लाल साहू के मकान में चोर छत के रास्ते प्रवेश कर गए। आरोपियों ने आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, 30 हजार रुपये नकद और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चोरी कर लिया। चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है।

छत्तीसगढ़ में बिगड़ेगा मौसम, इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी, कई इलाकों में बिजली गिरने और तेज हवाओं की संभावना

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर



रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'मुरासु' का असर प्रदेश के कई हिस्सों में दिखाई देने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के प्रभाव से राज्य के अलग-अलग इलाकों में बादल छाए हुए हैं। आने वाले कुछ घंटों में कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। मौसम में आए इस बदलाव को देखते हुए मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश के कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में मौसम का ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। ऐसे में लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

बस्तर संभाग के 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने दक्षिण छत्तीसगढ़ के पांच जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर शामिल हैं। इन जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

चक्रवात के प्रभाव से इन इलाकों में बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है। कहीं तेज बारिश तो कहीं अचानक आंधी चलने की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। दक्षिण छत्तीसगढ़ के अलावा मध्य छत्तीसगढ़ में भी चक्रवात का असर दिखाई दे सकता है।

सरगुजा में राजमिस्त्री की संदिग्ध मौत से सनसनी, घर के आंगन में खून से लथपथ मिला शव



अंबिकापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक राजमिस्त्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। उसका शव घर के आंगन में खून से लथपथ हालत में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र के रजपुरी कला गांव के टिकरापारा का है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय अंगत चौधरी, पिता घूर साय के रूप में हुई है। वह पेशे से राजमिस्त्री था और घर में अकेले रहता था।जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8 बजे अंगत का शव उसके घर के आंगन में खून से लथपथ मिला। घर के कमरे में खून के निशान और बिखरा हुआ सामान भी पाया गया। घटना की जानकारी सामने आते ही गांव में सनसनी फैल गई।घटना की सूचना पर लखनपुर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। हालांकि, फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

खाना खजाना जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल बना आकर्षण का केन्द्र

रायपुर (आरएनएस)। नवा रायपुर में चल रहे राज्योत्सव में खाना खजाना जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। स्टॉल क्रमांक 12 छत्तीसगढ़ी व्यंजन - जय जोहार जय छत्तीसगढ़ पर पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए लोगों की कतार लगी हुई है। यहां परोसे जा रहे मूंग बड़ा का स्वाद लोगों को सबसे ज्यादा भा रहा है, खासकर पताल (टमाटर) की चटपटी चटनी के साथ इसका स्वाद और भी लाजवाब हो जाता है। गर्मागर्म मूंग बड़ा और चटपटी चटनी के कॉम्बिनेशन की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।उपरवारा के प्रीतम पटेल, उमेश देवांगन और उर्मिला कुमारी ने की तारीफ-स्टॉल पर पहुंचे उपरवारा निवासी प्रीतम पटेल, उमेश देवांगन और मती उर्मिला कुमारी ने व्यंजनों का स्वाद लेकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पताल की चटनी के साथ मूंग बड़ा का स्वाद बिल्कुल घर जैसा है। ऐसे स्टॉल से हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है।

स्टॉल के संचालक बलौदाबाजार के नीरज चंद्राकर ने बताया कि उनके स्टॉल पर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को पूरी शुद्धता और पारंपरिक तरीके से तैयार किया जा रहा है।

खेल समाचार

न्यूजीलैंड को झटका, डेवोन कॉनवे भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे

ऑकलैंड (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। टी20 सीरीज हार चुकी न्यूजीलैंड को पहले वनडे में बड़ा झटका है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इंजरी की वजह से पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। कॉनवे मंगलवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के प्री-मैच ट्रेनिंग सेशन के दौरान साथी तेज गेंदबाज मैट हेनरी से टकरा गए। हेनरी और कॉनवे की टक्कर कैच लेने की कोशिश में हुई। दोनों खिलाड़ियों का तुरंत मौके पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने इलाज किया। कॉनवे को कनकशन हुआ है। उनके सिर की चोट की जांच की गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, कॉनवे को आगे की जांच के लिए ए एंड ई ले जाया गया, जिसमें कनकशन की पुष्टि हुई, जिससे वह बुधवार को भारत के खिलाफ होने वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके शामिल होने पर भी नजर रखी जाएगी।

न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में कॉनवे का नाम सबसे नया है। ऑलराउंडर मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र पहले ही हैमस्ट्रिंग और कंधे की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

विकेटकीपर और ओपनर टिम सीफर्ट को पहले दो वनडे मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें भारत के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज के लिए कीवी टीम में शामिल किया गया। कप्तान मिशेल सेंटनर ने इशारा किया कि कॉनवे की अनुपस्थिति में सीफर्ट खेल सकते हैं।

सेंटनर ने मीडिया से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि सीफर्ट हमारी टीम में बैक-अप बल्लेबाज हैं। अगर डेव नहीं खेल पाते हैं तो शायद उनके लिए यह सीधा मौका होगा। हालांकि, कॉनवे वनडे क्रिकेट में बहुत अच्छे हैं।

न्यूजीलैंड भारत के खिलाफ पहले ही टी20 सीरीज हार चुकी है। ऐसे में वनडे सीरीज से पहले मैच से कॉनवे का बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका है।

35 साल के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज कॉनवे ने 43 वनडे की 42 पारियों में 5 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 1,692 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 152 रन है।

यशस्वी जायसवाल और यश राठौड़ का शतक, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट ड्रॉ

क्राइस्टचर्च (आरएनएस)। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में दमदार शतक लगाते हुए जायसवाल ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी की, बल्कि मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली तीन पारियों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले जायसवाल इस पारी में आक्रामक नजर आए। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने मात्र 162 गेंदों पर 5 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 155 रन की पारी खेली। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए यश राठौड़ का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने भी शतक लगाते हुए 122 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। जायसवाल और राठौड़ के बीच नाबाद 247 रन की साझेदारी हुई। भारत ए ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए थे। टेस्ट के आखिरी दिन (मंगलवार) चाय के समय मैच को ड्रॉ घोषित किया गया।इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में कप्तान ध्रुव जुरेल के 105, देवदत्त पडिक्कल के 80 और आकाशदीप के 68 रन की बदौलत 346 रन बनाए थे।

दाएं हाथ के चार बल्लेबाज टॉप-4 में सेट, अक्षर और केएल का इस्तेमाल मैच की स्थिति के मुताबिक : शुभमन गिल

ऑकलैंड (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को 5 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष-4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। शुभमन गिल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे टॉप-4 में खेलने वाले बल्लेबाज तय हैं और सभी दाहिने हाथ के बल्लेबाज हैं। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर और वे खुद शामिल हैं। नंबर 5 और नंबर 6 के बल्लेबाज में बदलाव हो सकता है। केएल राहुल या अक्षर पटेल मैच की स्थिति के मुताबिक 5 या 6 नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, नंबर 5 और नंबर 6 के लिए हमारी रणनीति लचीली है। हमारे टॉप चार सेट हैं, सभी राइट-हैंडर हैं। इसलिए



अगर लेफ्टी की जरूरत है, तो अक्षर और मैच की स्थिति के आधार पर केएल राहुल आ सकते हैं।

शुभमन गिल ने स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर अपनी राय रखते हुए कहा कि भारतीय टीम में लौटने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

भारतीय कप्तान ने कहा, हार्दिक पंड्या जब वापस आएंगे, तो नंबर 7-8 का भी ध्यान रखा जाएगा। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम खिलाड़ियों के पास उनके जैसी स्किल है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें खेल के अलग-अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। वह आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही इंडियन टीम में वापस आएंगे।

स्क्वैश : सेंथिलकुमार ने ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता

ब्रनो (आरएनएस)। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट है। चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं, ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13-11, 11-5, 8-11, 11-7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉपर लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था। सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़ा, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया।

उन्होंने इस मोमेंटम को आखिरी चार में भी जारी रखा और फ्रांस के ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल 11-7, 12-10, 11-1 से जीतकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली।

इस बीच, लोब्बन ने फ्रांस के तौफिक मेखाल्फी पर सीधे गेम में जीत के साथ अपनी आखिरी जगह पक्की कर ली, जिससे टूर्नामेंट के टॉप सीड और चौथे सीड के बीच मुकाबला तय हो गया।

दिल्ली में नहीं होगा भारत और श्रीलंका वनडे?

डीडीसीए ने बीसीसीआई से की वेन्यू बदलने की अपील



नई दिल्ली (आरएनएस)। डीडीसीए के सूत्र ने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम में फिलहाल मरम्मत और नवीनीकरण का काम चल रहा है। ऐसे में दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय मुकाबले का आयोजन करना मुश्किल होगा। इसके अलावा, सर्दियों के दौरान दिल्ली में मौसम की स्थिति भी मैच के आयोजन में बाधा बन सकती है। सूत्र के मुताबिक, एसोसिएशन ने बीसीसीआई से कहा है कि वह 13 दिसंबर को भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले वनडे मुकाबले की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं है। अब बोर्ड के फैसले का इंतजार किया जा रहा है।

13 दिसंबर से शुरू होनी है वनडे सीरीज

श्रीलंकाई टीम अगले महीने भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों देशों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 दिसंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है। इसके बाद दूसरा वनडे बंगलूरू में और तीसरा मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। हालांकि, डीडीसीए के अनुरोध के बाद दिल्ली में होने वाले पहले वनडे के आयोजन स्थल में बदलाव की संभावना बन गई है।

न्यूजीलैंड दौरे पर है भारतीय टीम

भारतीय टीम फिलहाल न्यूजीलैंड के दौरे पर है। टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 3-2 से अपने नाम की है। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी होगी।

श्याम लाल कॉलेज का अंतर कॉलेज हॉकी खिताब पर कब्जा बरकरार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के श्याम लाल कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज हॉकी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के खिताब पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। श्याम लाल कॉलेज ने प्रतियोगिता में अपराजित रहते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।सुपर लीग के अंतिम लीग मैच में श्याम लाल कॉलेज ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को 9-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। श्याम लाल कॉलेज की तरफ से प्रत्यूष सिंह जग्गी ने तीन गोल, नंदकिशोर ने दो गोल और मोहम्मद आमिर, भूपेंद्र, हर्ष यादव और कप्तान के. रोहित ने एक- एक गोल किया।गोल औसत के आधार पर श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स को दूसरा स्थान मिला और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को तीसरा स्थान मिला।

मैदान पर अब नहीं दिखेगा ग्लेन मैक्सवेल का जलवा, इंटरनेशनल क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान



नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। सोमवार देर रात उन्होंने अपने इस फैसले की जानकारी दी। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 286 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले, जिनमें 7,226 रन बनाने के साथ 136 विकेट भी अपने नाम किए। वह 2015 और 2023 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा 2021 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही।

मैक्सवेल ने 'फाइनल वर्ल्ड पॉडकास्ट' पर संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला भावुक करने वाला जरूर है, लेकिन इसकी संभावना पहले से ही थी। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ विक्टोरिया के लिए घरेलू 50 ओवर और चार दिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहते हुए उन्हें थोड़ा दुख हो रहा है। हालांकि, रेड-बॉल क्रिकेट से उनकी विदाई किसी के लिए चौंकाने वाली बात नहीं होनी चाहिए।मैक्सवेल ने बताया कि संन्यास के फैसले को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन के साथ उनकी पहले भी कई बार बातचीत हुई थी। टी20 वर्ल्ड कप के बाद उनके भविष्य पर चर्चा की गई, लेकिन उन पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाया गया। टीम प्रबंधन भविष्य की योजनाओं पर काम कर रहा था और नए खिलाड़ियों को मौके दे रहा था। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में भी युवा खिलाड़ियों को आजमाया गया, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। मैक्सवेल के मुताबिक, टीम में नए खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को देखते हुए उन्हें भी अपने भविष्य को लेकर फैसला लेने का समय मिल गया था।मैक्सवेल के करियर की सबसे यादगार पारी 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ आई थी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 91 रन पर 7 विकेट गंवा चुका था। टीम की हार लगभग तय मानी जा रही थी, लेकिन मैक्सवेल ने अपनी असाधारण बल्लेबाजी से मैच का पूरा रुख बदल दिया।उन्होंने 128 गेंदों पर नाबाद 201 रन ठोक दिए। उनकी इस पारी में 21 चौके और 10 छक्के शामिल थे। खास बात यह रही कि ऐंठन के कारण मैक्सवेल के लिए क्रीज पर दौड़ना भी मुश्किल हो रहा था। इसके बावजूद उन्होंने कप्तान पैट कमिंस के साथ आठवें विकेट के लिए नाबाद 202 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी कर दी।

सराफा व्यापारी को बेसमेंट के स्टोर रूम में बंद कर आभूषण चोरी करने वाली महिला 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

करीब 65 लाख रुपये कीमत के 450 ग्राम सोने-चांदी के आभूषण चोरी करके भाग गई थी महिला



नर्मदापुरम (निप्र) । थाना कोतवाली में फरियादी आशीष कुमार जैन 63 वर्षीय द्वारा रिपोर्ट कराई गई, कि रघुनाथ गली स्थित उनकी राज ज्वेलर्स दुकान पर दोपहर करीब 12:30 बजे चेहरे पर स्कार्फ बांधी एक अज्ञात महिला ग्राहक बनकर आई। चर्म रोग का बहाना बनाकर स्कार्फ हटाने से इंकार करने वाली इस महिला ने पहले मंगलसूत्र का पेंडल देखा और एटीएम से पैसे लाने का कहकर चली गई। करीब 15 मिनट बाद वापस लौटकर उसने कान के टॉप्स दिखाने को कहा और जैसे ही फरियादी बेसमेंट के स्टोर रूम में गए, महिला ने बाहर से दरवाजा बंद कर काउंटर की दराज से सोने-चांदी के आभूषणों के डिब्बे चुराकर फरार हो गई। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध किया गया। थाना प्रभारी कोतवाली गौरव सिंह बुंदेला द्वारा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला को तत्काल घटना से अवगत कराकर आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त किये गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपीया की खोज हेतु थाना कोतवाली में पृथक-पृथक टीमें गठित की गई। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे लगभग 250 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालते हुए तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये। चूंकि इस प्रकार की घटना पूर्व में इटारसी में भी हो चुकी थी। इटारसी और नर्मदापुरम के कैमरा फुटेज को खंगालते हुए संदिग्ध महिला को चिन्हित किया गया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल इटारसी पहुंचकर, घेराबंदी कर उक्त महिला को पुलिस अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम चाहत मंसूरी उर्फ मुस्कान लोट पति निखिल लोट, उम्र 28 वर्ष, निवासी चर्च के पीछे, खेड़ा, इटारसी बताया और घटना करना स्वीकार किया। आरोपीया के कब्जे से चोरी गए संपूर्ण आभूषण जब्त कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपीया ने यह भी बताया कि पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसने घटना के दौरान पहने कपड़े, स्कार्फ और चप्पल जला दिए। सुनार की दुकान से चोरी किये गए आभूषणों के डिब्बों को भी उसने जला दिया। आरोपीया शातिर किस्म की अपराधी है। पूर्व में भी उसने इटारसी के सराफा बाजार में इसी तरीके (मोडस ऑपरेण्डी) से एक चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपीया से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है।

गिरफ्तार आरोपीया - चाहत मंसूरी उर्फ मुस्कान लोट पति निखिल लोट, उम्र 28 वर्ष, निवासी चर्च के पीछे, खेड़ा, इटारसी, जिला नर्मदापुरम

जब्त मशरूका

सोने-चांदी के आभूषण, कुल वजन करीब 450 ग्राम, कीमत करीब 65,00,000/- रुपये (पैंसठ लाख रुपये)पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन एवं एसडीओपी जीतेन्द्र पाठक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला द्वारा हमराह बल के टीम गठित कर संपूर्ण कार्यवाही की गई ।

सराहनीय भूमिका

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उनि वंशज श्रीवास्तव, उनि विशाल नागवे, उनि संजय रघुवंशी, प्र.आर. रितेश यादववंशी, प्र.आर. राकेश भिलाला, म.प्र.आर. मनीषा कुमरे, आर. अजमेश चंदेल, आर. अविनाशी हरडे (विशेष भूमिका), आर. गजेन्द्र डडोरे, आर. हरीश डिगरसे, म.आर. समीना खान, आर. सतीश नागवंशी, आर. धर्मेंद्र परिहार, आर. संतोष धाकड़, आर. विक्की राठौर, आर. रोहन पवार तथा थाना देहात के आर. कपिल विश्वकर्मा, आर. जितेंद्र एवं आर. सुनील साहू, साइबर सेल से आर. संदीप एवं आर. दीपेश।

नर्मदापुरम पुलिस की अपील

सराफा व्यापारियों से अपील है कि चेहरा ढककर आने वाले संदिग्ध ग्राहकों के प्रति सतर्क रहें। ग्राहक की मौजूदगी में दुकान या काउंटर खुला छोड़कर न जाएं और दुकान के सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू रखें। कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल नज़दीकी थाने या डायल 112 पर सूचना दें।

सराफा संघ और व्यापारी महासंघ ने पुलिस अधिकारियों का किया सम्मान



नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्मत राज ज्वेलर्स में हुई आभूषण चोरी की सनसनीखेज वारदात का त्वरित खुलासा करते हुए सऊदी अरब महिला को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। 02 नवंबर 2026 को सराफा बाजार स्थित "राज ज्वेलर्स" दुकान पर एक अज्ञात महिला ग्राहक बनकर आई थी। शातिर महिला ने व्यापारी को बेसमेंट में बने स्टोर रूम में बंद कर दिया और दुकान की दराज से सोने-चांदी के आभूषणों से भरे डिब्बे चुराकर फरार हो गई। यह घटना पुलिस के सामने बड़ी चुनौती थी नवागत पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस ने तत्परता दिखाते इटारसी निवासी महिला को हिरासत में लेते हुए। पूछताछ में महिला ने चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस में पूरी सोनी सामग्री लगभग 65 लाख की बरामद की। इस सराहनीय कारवाई के बाद आज सराफा व्यापारी संघ नर्मदापुरम और व्यापारी महासंघ के पदाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पुलिस कर्मचारियों का पुष्प मानव और साल श्री फल के साथ 51हजार रुपए की राशि से सम्मान किया।

औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझाव अत्यंत आवश्यक जिला प्रशासन द्वारा सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

कलेक्टर ने एमपीआईडीसी मोहासा औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों के प्रतिनिधियों से चर्चा की



नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने एमपीआईडीसी के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में विकसित हो रहे औद्योगिक अधोसंरचना कार्यों तथा औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकताओं के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ परिचर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधियों से औद्योगिक क्षेत्र के विकास, संस्थानों के संचालन में आ रही समस्याओं तथा आवश्यक सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों को गंभीरता एवं सकारात्मकता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि बैठक में प्राप्त सुझावों पर प्राथमिकता से विचार कर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों की स्थापना एवं संचालन के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा अन्य शासकीय प्रक्रियाओं में जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने ईई एमपीआईडीसी को निर्देशित किया कि उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर विशेष रूप से कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में जोखिमपूर्ण गतिविधियों एवं संभावित दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए फायर ब्रिगेड स्टेशन शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाए। उन्होंने स्ट्रीट लाइट एवं ड्रेनेज व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने तथा आवश्यकतानुसार मेंटेनेंस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में औद्योगिक संस्थानों से निकलने वाले सामान्य अपशिष्ट के उचित प्रबंधन के लिए एमपीआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में कचरा वाहन संचालित करने का सुझाव भी प्रतिनिधियों द्वारा दिया गया। कलेक्टर ने इस सुझाव पर भी आवश्यक विचार करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने औद्योगिक संस्थानों से कहा कि वे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के विद्यार्थियों को ऑन द जॉब ट्रेनिंग उपलब्ध कराएं, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो और वे उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने प्राचार्य आईटीआई को निर्देशित किया कि औद्योगिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप संस्थान में नए पाठ्यक्रम शामिल करने की संभावनाओं पर कार्य करें तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए शासन को प्रस्ताव भी प्रेषित करें।

शांतिनिकेतन की अवनी राठी सीबीएसई की ड्राइंग प्रतियोगिता की विजेता



नर्मदापुरम (निप्र)। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदा पुरम में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया सीबीएसई द्वारा आत्मनिर्भर भारत विषय पर ड्राइंग एवं स्पीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । इस प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं की छात्रा सत्यजा तिवारी ने अपनी शानदार स्पीच के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त किया,द्वितीय स्थान पर कक्षा दसवीं की छात्रा विनीशा चौधरी एवं तृतीय स्थान पर कक्षा 11वीं के छात्र हिमांशु सराठे रहे। आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं की छात्रा अवनी राठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर कक्षा दसवीं की छात्रा अपूर्वा जाटव रही एवं तृतीय स्थान पर कक्षा दसवीं की छात्रा नित्या हिनवार रही।नारी शक्ति विषय पर स्पीच प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं की छात्रा खुशी अली अपनी शानदार स्पीच के आधार पर प्रथम स्थान पर रही, द्वितीय स्थान पर कक्षा दसवीं की छात्रा कु छाया सागर रही एवं तृतीय स्थान कक्षा दसवीं की छात्रा सुरभि संतोरे ने प्राप्त किया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य वीवी सुब्रमण्यम ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने सभी विजेताओं को शांतिनिकेतन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की सघन कार्रवाई, 11 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार सघन गश्त एवं दबिश की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग ने औद्योगिक क्षेत्र इटारसी एवं इटारसी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 11 प्रकरण दर्ज किए तथा 3200 किलोग्राम महुआ लाहन और 40 लीटर कच्ची हाथभट्टी मदिरा जब्त की। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 3 लाख 28 हजार रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग द्वारा वृत्त औद्योगिक क्षेत्र इटारसी के अंतर्गत ग्राम पंडारी, कांडईकला, महोनाडोब, जमईकला एवं फंटूखेड़ी के जंगलों में सघन गश्त एवं दबिश दी गई। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत 4 प्रकरण कायम किए गए। कार्रवाई में लगभग 1700 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 20 लीटर कच्ची हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 74 हजार रुपये आंकी गई है। इसी प्रकार वृत्त इटारसी शहर के अंतर्गत सूरजगंज, नाला मोहल्ला, बालाजी मंदिर मेहरगांव एवं ग्वालबाबा इटारसी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 7 प्रकरण दर्ज किए गए।

स्वामित्व योजना के तहत सभी तहसीलों में पंजीयन बढ़ाएं, रजिस्ट्री इनिशिएटेड में विशेष ध्यान देते हुए पंजीयन करे : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) के साथ बैठक कर विभिन्न राजस्व प्रकरणों एवं विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्वामित्व योजना, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, धारणाधिकार, भूमि आवंटन, नरवाई प्रबंधन एवं पटाखा भंडारण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर ने तहसीलवार स्वामित्व योजना के अंतर्गत पंजीयनों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना में पंजीयन की संख्या बढ़ाने के लिए सभी तहसीलों में विशेष प्रयास किए जाएं।

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पिपरिया जिला नर्मदापुरम

प्ररूप-ख

(मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केवल एवं डक्ट (भूमि की उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) नियम, 2013 के नियम 5 का उपनियम (2 देखिए)

रा.प्र.क्र./0001/अ-82/2025-26 नर्मदापुरम, दिनांक

अतएव, राज्य सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि भूमिगत पाईप लाईन के माध्यम से स्वचालित स्प्रिंकलर/ड्रिप प्रणाली से सिंचाई बावत् पानी परिवहन हेतु ग्राम तिंसरी प.ह.नं.05 तहसील बनखेडी जिला नर्मदापुरम में कार्यपालन यंत्री रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर द्वारा भूमिगत पाईपलाईन, केबल एवं डक्ट बिछाई जाए।

और अतएव राज्य सरकार को उक्त भूमिगत पाइप लाइन, केवल एवं डक्ट बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2012 (क्रमांक 5 सन् 2013) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है इक्कीस दिवस के भीतर, भूमि के नीचे पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया जिला नर्मदापुरम मध्यप्रदेश को लिखित में आक्षेप भेज सकेगा।

-: अनुसूची :-

जिला	तहसील	ग्राम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	उपयोग के अधिकार के लिये जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
01	02	03	04	05
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	104	0.008
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	102	0.016
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	105/1	0.010
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	106/1	0.010
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	134/1	0.041
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	135/1	0.014
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	136/1	0.002
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	147/1	0.032
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	148/1	0.021
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	150/3	0.012
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	150/2	0.009
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	151/1	0.041
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	154/3/1	0.042
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	155	0.034
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	406/1	0.014
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम तिंसरी प.ह.नं. 05	404/3	0.008
कुल योग			16	0.314

(आकिप खान)
सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम

जी/20970/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, डंपर एवं पनडुब्बी जप्त

माखननगर के मोहासा में पत्थर-मुरूम का अवैध परिवहन करते डंपर जप्त

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में खनिज विभाग के अमले द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त एक डंपर एवं एक पनडुब्बी को जप्त किया गया है। खनिज विभाग की टीम ने मोहासा तहसील माखननगर में डंपर क्रमांक M P04WA9096 को पत्थर एवं मुरूम का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त किया। इसी प्रकार ग्राम बाबरी, तहसील सिवनी मालवा में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक पनडुब्बी जप्त कर पुलिस थाना सिवनी मालवा की अभिरक्षा में रखवाई गई है। उक्त कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी सुचि माथुर, खनि निरीक्षक बसंत पाटिल, कृष्णकांत परस्ते, गरिमा एवं अमित चढ़ार तथा खनिज सिपाही हेमंत राज उपस्थित रहे। जप्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, प्रकरणों का मौके पर ही किया समाधान

अधिकारियों को समस्याओं का निराकरण करने के दिए निर्देश



नर्मदापुरम (ए.)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को मौके से ही आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में समयसीमा निर्धारित कर उन्हें समयावधि प्रकरण के रूप में दर्ज किया गया, जबकि अन्य आवेदनों का समाधान कलेक्टर द्वारा मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में वार्ड क्रमांक 16, गिन्नी कंपाउंड, मीनाक्षी चौक नर्मदापुरम के रहवासियों ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि कॉलोनी में पेयजल का प्रेशर कम आ रहा है। इसके कारण ऊपरी मंजिल एवं ऊंचाई पर स्थित घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि मौके पर पहुंचकर पेयजल लाइनों एवं वाल्व की जांच करें तथा पानी का प्रेशर कम होने के कारणों का पता लगाकर समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पथरोटा के ग्राम आमकछार के ग्रामीणों ने आवागमन के प्रचलित रास्ते को बाधित किए जाने की शिकायत करते हुए आवेदन दिया। कलेक्टर ने इस प्रकरण में एसडीएम इटारसी को मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की उपस्थिति में जांच करने तथा समस्या का उचित निराकरण करने के निर्देश दिए।

नर्मदापुरम निवासी श्रीमती सुखवती अहिरवार ने उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मिलने वाले गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व में उन्हें योजना के तहत नियमित रूप से गैस सिलेंडर प्राप्त हो रहे थे, लेकिन विगत माह से आपूर्ति बंद कर दी गई है। इस पर कलेक्टर ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को आपूर्ति बाधित होने के कारणों की जांच कर शीघ्र गैस सिलेंडर की आपूर्ति पुनः प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर निर्धारित समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए आवेदकों की समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण समाधान किया जाए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले, एसडीएम नर्मदापुरम देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्या को सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com